website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 268 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 05 सितम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

ट्रंप कुढ़ते रहे, पर जर्मनी ने मानी भारत की ताकत

● ट्रेड डील पर विदेश मंत्री ने नई दिल्ली से कर दी बड़ी घोषणा ● कहा-यूरोप में शांति बहाली में अहम भूमिका निभा सकता है भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेड वॉर के बीच रूस के करीबी दोस्त भारत से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भले ही खफा हों और कुढ़ रहे हों, लेकिन जर्मनी इस बात को मान रहा है कि भारत यूरोप में शांति बहाली में अहम भूमिका निभा सकता है। जर्मनी ने बुधवार को इस बात की तस्दीक भी कर दी।

जर्मनी ने भारत से कहा कि वह रूस के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल यूरोप में शांति बहाली के लिए करे। दो दिन की भारत की यात्रा पर दिल्ली पहुंचे जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और जोहान वाडेफुल ने वैश्विक

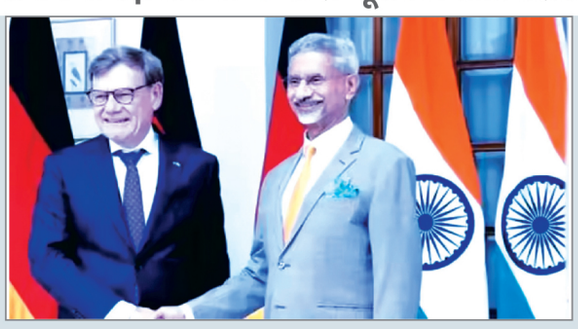

चुनौतियों पर भी गहरी चर्चा की और भारत-जर्मनी के बीच व्यापार को दोगुना करने का भरोसा जताया।

वाडेफुल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच एक मुक्त व्यापार समझौता आने वाले महीनों में हो सकता है। उन्होंने अमेरिकी का नाम लिए बिना कहा कि अगर दूसरे देश व्यापार में बाधाएं डालते हैं, तो हमें उन्हें कम करके जवाब देना चाहिए। बता दें कि पिछले साल दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार करीब 50 बिलियन यूरो का था। वाडेफुल ने कहा कि जर्मनी इस व्यापार को दोगुना करने के लिए पूरी ताकत लगाएगा, और जयशंकर ने भी इस लक्ष्य के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

● **यूरोप में शांति बहाली में भूमिका निभाए भारत-** यूक्रेन में शांति बहाली के मुद्दे पर जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने कहा,प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ दिन पहले राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात के दौरान यूक्रेन में शीघ्र शांति समझौते की आवश्यकता पर भी जोर दिया था, जो हमारे लिए महत्वपूर्ण रहा है। हम यूरोपीय लोग अपने अमेरिकी और यूक्रेनी मित्रों के साथ मिलकर इस युद्ध को जल्द समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा,मुझे पता है कि हम हमेशा अपने भारतीय मित्रों के साथ पूरी तरह सहमत नहीं होते, और इसीलिए मैंने आज इस बात के पक्ष में बात की कि भारत रूस के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल यूरोप में शांति बहाली की आवश्यकता पर जोर देने के लिए करे और मैं आज यहां हुई खुली चर्चा के लिए आभारी हूं। शांति सुरक्षा, स्वतंत्रता और समृद्धि का आधार है। सुरक्षा भविष्य के लिए एक चुनौती है और रहेगी।

संघ प्रमुख मोहन भागवत से मिलीं पूर्व सीएम वसुंधरा

राजनीतिक गलियारों में मची हलचल,कयासों का दौर शुरू

जयपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत जोधपुर प्रवास पर हैं। वे 9 दिन तक जोधपुर रहेंगे। इस दौरान आरएसएस की अखिल भारतीय समन्वय समिति की बैठक में हिस्सा लेंगे। जोधपुर प्रवास के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने संघ प्रमुख से मुलाकात

की। राजे और भागवत के बीच करीब 20 मिनट तक बातचीत हुई। चूंकि राजे पिछले डेढ वर्ष से राजनैतिक रूप से हाशिए पर हैं। संघ प्रमुख से उनकी मुलाकात के बाद राजनैतिक गलियारों में चर्चाएं शुरू हो गई हैं। राजे स्वयं आरएसएस से जुड़ी रही हैं। संघ के तमाम वरिष्ठ नेताओं से उनके निकट के संबंध हैं। लिहाजा राजे और भागवत की मुलाकात के बाद कई तरह के मायने निकाले जा रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में राजे को पार्टी में अहम जिम्मेदारी मिल सकती है।

अमेरिका की नाक के नीचे तैनात होगा फाइटर जेट!

चीन और वेनेजुएला में हो गई बातचीत,बढ़ेगा तनाव

कारकस (एजेंसी)। वेनेजुएला और अमेरिका के बीच तनातनी बढ़ती जा रही है। बीते महीने ट्रंप प्रशासन के वेनेजुएला के पास पनडुब्बी और जंगी जहाज तैनात करने से तनाव शुरू हुआ। मंगलवार को हालात युद्ध जैसे हो गए, जब अमेरिका ने वेनेजुएला से निकले जहाज पर हमला किया। इस

हमले में 11 लोग मारे गए। वेनेजुएला के प्रेसीडेंट निकोलस मादुरो ने अमेरिका की आक्रामकता का जवाब देने की बात कही है। साथ ही चीन से जे-10ए लड़ाकू विमानों की खरीद पर बात शुरू की है। चीन के जेट दुनिया का आधुनिक लड़ाकू विमानों में शुमार है। जे-10ए से ही पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के राफेल जेट का सामना किया था।

तीन पड़ोसी देशों से आए अल्पसंख्यकों को बड़ी राहत

2024 तक आए अल्पसंख्यक अब भारत में रह सकेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए अल्पसंख्यकों पर बड़ा फैसला किया है। सरकार ने इन देशों से 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को बिना पासपोर्ट रहने की अनुमति दे दी है। गृह मंत्रालय ने आदेश जारी कर बताया कि इन समुदायों के लोग अगर वैध पासपोर्ट या दस्तावेजों के साथ भी आए थे और उनकी वैधता खत्म हो चुकी है, तब भी उन्हें रहने की छूट मिलेगी। पिछले साल लागू हुए नागरिकता संशोधन कानून के तहत 31 दिसंबर 2014 तक आए अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता दी जाएगी। इस नए आदेश से 2014 के बाद आए लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। खासकर पाक से आने वाले हिंदू परिवारों को।

भारत को और एस-400 डिफेंस सिस्टम देगा रूस

● रशियन अफसर बोले- हम आपस में बढ़ा रहे हैं सहयोग

एससीओ में मोदी बोले थे-भारत-रूस बुरे दौर में भी साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और भारत के बीच एस-400 मिसाइल सिस्टम की खरीद बढ़ाने को लेकर बातचीत चल रही है। रूस की न्यूज एजेंसी ने एक सीनियर डिफेंस ऑफिसर के हवाले से बताया कि रूस भारत को एस-400 की सप्लाई बढ़ाने के लिए तैयार है। 2018 में भारत ने रूस के साथ 5 एस-400 सिस्टम खरीदने की डील की थी। यह डील 5.4 बिलियन डॉलर (करीब ?48 हजार करोड़) थी। अब तक भारत को तीन स-400 सिस्टम मिल चुके हैं और बाकी दो की डिलीवरी

2026-27 तक हो जाने की उम्मीद है। ये वही डिफेंस सिस्टम है, जिसने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों को हवा में ही मारकर नाकाम किया था। शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बातचीत हुई थी। मोदी ने पुतिन को 'दोस्त' बताया था। इस सौदे को लेकर कुछ चुनौतियां भी हैं। अमेरिका ने भारत को एस-400 खरीदने पर सैंक्शन की चेतावनी दी थी। दूसरी तरफ, इस डील पर चीन की भी नजर है, क्योंकि वो खुद इस सिस्टम का इस्तेमाल करता है। फिलहाल, भारत और रूस के बीच बातचीत चल रही है और अगर सब कुछ ठीक रहा तो जल्द ही ये सिस्टम मिल सकता है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के मुताबिक, 2020 से 2024 के बीच भारत के हथियारों के आयात में रूस की हिस्सेदारी बढ़ी है।

जीएसटी में होंगे केवल दो कर स्लैब, रोजमर्रा के सामान होंगे सस्ते

नई दिल्ली, (भाषा)। जीएसटी परिषद ने बुधवार को लोगों को राहत देते हुए माल एवं सेवा कर के तहत पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय कर संरचना को मंजूरी दे दी। इसमें रोजमर्रा के उपयोग वाले सामानों पर जीएसटी दरों में कटौती की गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जीएसटी में व्यापक सुधारों के तहत बाल में लगाने वाले तेल, साबुन, साइकिल आम और मध्यम वर्ग की वस्तुओं पर जीएसटी 12 प्रतिशत या 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा, छेना, पनीर, रोटी और पराठा पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। जीवन रक्षक दवाओं पर भी जीएसटी शून्य होगा। सीतारमण ने यह भी कहा कि व्यक्तिगत जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के प्रीमियम पर जीएसटी से छूट मिलेगी। इसके अलावा, छोटी कारों और 350 सीसी तक के दोपहिया वाहनों पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। तिपहिया वाहन पर भी अब 18 प्रतिशत कर लगेगा। उन्होंने कहा कि तंबाकू, पान मसाला और सिगरेट पर जीएसटी 40 प्रतिशत की विशेष दर से लगेगा। सीतारमण ने कहा, यह केवल जीएसटी में सुधार नहीं है, बल्कि संरचनात्मक सुधारों और लोगों की जीवन को सुगम बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है। तंबाकू उत्पादों और सिगरेट को छोड़कर नई जीएसटी दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी।

बच्चे को अपने माता-पिता दोनों के प्यार का है हक

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा-चाहे वह अलग देशों में ही रहते हों

एससी ने पिता को वीडियो कॉल करने की दे दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि प्रत्येक बच्चे को अपने माता-पिता के प्यार का हक है। भले ही दोनों अलग-अलग रहते हों या अलग-अलग देशों में ही क्यों ना हों। कोर्ट ने कहा कि माता-पिता के मार्गदर्शन और भावनात्मक सहयोग को किसी भी हाल में रोका नहीं जा सकता। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने यह फैसला एक पिता को अपने बेटे से बात करने से रोकने के मामले में सुनाया। दरअसल, पिता भारत में रहता है और बेटा आयरलैंड में उनकी पत्नी के साथ है।

पैरेंट्स का झगड़ा, बच्चे के लिए ठीक नहीं

बच्चे को पिता या मां से दूर करना उसके विकास और भविष्य पर बुरा असर डालता है। माता-पिता का झगड़ा बच्चे को अनावश्यक संघर्ष में झोंक देता है, जो उसकी जिंदगी और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। बच्चे को पिता से दूर करना उसके प्यार और मार्गदर्शन से वंचित करना है। अदालत ने कहा कि बच्चों की भी जिम्मेदारी है कि वे मां और पिता दोनों के संपर्क में बने रहें, ताकि उनका संतुलित विकास हो सके। इस पूरे मामले को जानिए यह याचिका मनोज धनखर ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के 4 अक्टूबर, 2024 के आदेश के खिलाफ दायर की थी। मनोज धनखर ने 26 नवंबर, 2012 को निहारिका से विवाह किया था। उनका बेटा 18 जनवरी, 2016 को पैदा हुआ। लेकिन 5 साल बाद अलग हो गए। तलाक के लिए आवेदन किया। इसके बाद बच्चे की कस्टडी को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हुआ।

पंजाब में हाहाकार, 23 जिलों के 1200 गांव डूबे

● बाढ़-बारिश ने ढाया कहर, संकट में गांव और शहर ● दिल्ली में उफान पर यमुना,लोगों के घरों में घुसा पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में बुधवार को भी तेज बारिश जारी है। 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। 1200 से ज्यादा गांवों में पानी भरा है। अब तक 30 लोगों की मौत हुई है। 3 लोग लापता हैं। सभी स्कूल-कॉलेजों को 7 सितंबर तक बंद करने का फैसला लिया गया है। हरियाणा में झज्जर, हिसार, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और पंचकूला के कई हिस्सों में 3-5 फीट तक पानी भरा है। यहां के 200 से ज्यादा स्कूल बंद हैं। अंबाला के सैकड़ों घरों में 2-4 फीट पानी भरा हुआ है। हथिनीकुंड बैराज से 67 घंटे से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान (205 मीटर) के ऊपर 207 मीटर पर बह रही है। नदी के पास बना लोहे का पुल बंद किया गया है। यमुना बाजार-तिब्बती बाजार, मोनेस्ट्री मार्केट समेत निचले इलाकों में पानी भरा है। यहां से 10 हजार लोगों को रेस्क्यू किया गया है। दिल्ली में बुधवार को सभी स्कूल बंद रखे गए हैं। राजस्थान के जयपुर में तेज बारिश जारी है। शहर के कई पॉश इलाके डूब गए हैं और सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एसएमएस में पानी भर गया है।

● **हिमाचल में 1300 सड़कें बंद, यूपी के 20 शहरों में झमाझम-** उत्तर प्रदेश के नोएडा में यमुना के जलस्तर के बढ़ने से 1000 फार्महाउस में पानी भर गया। यहां से लोगों को रेस्क्यू किया गया। मथुरा में बाढ़ से करीब 900 परिवार प्रभावित हैं। आगरा में यमुना का पानी ताजमहल की

बाउंड्री तक पहुंच गया। शहर के कई घाट और 8 श्मशान घाट पानी में डूब गए। हिमाचल प्रदेश में 1300 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। पिछले 24 घंटे में 11 लोगों की मकान गिरने और लैंडस्लाइड में मौत हुई। आज सुबह कुल्लू में लैंडस्लाइड में 2 लोगों की मौत हो गई। कल शाम मंडी के सुंदरनगर में दो घरों पर लैंडस्लाइड हुई थी। हादसे में मरने वालों की संख्या 7 हो गई है। आज मलबे से 4 शव निकाले गए हैं। राज्य के 7 जिलों में स्कूल-कॉलेजों को बंद रखा गया है। मध्य प्रदेश में अब तक 970.28 एमएम बारिश हो चुकी है, जो सीजन की 104 फीसदी है, जबकि अब तक 800.1 एमएम बारिश होनी थी। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 939.8 एमएम है।

पटना में पहली बार

800 मीटर ट्रैक पर दौड़ी मेट्रो

● खामियों को जांचने के लिए ट्रायल रन हुआ,मंत्री भी देखने पहुंचे

बिहार चुनाव से पहले पीएम मोदी कर सकते हैं इसका उद्घाटन

पटना (एजेंसी)। बिहार की पहली मेट्रो का बुधवार को ट्रायल हुआ। मेट्रो का डीपो के अंदर बने 800 मीटर लंबे ट्रैक पर इसका रन किया गया, ताकि तकनीकी और सुरक्षा मानकों की पूरी जांच की जा सके। इसके बाद भूतनाथ स्टेशन तक मेट्रो का ट्रायल होगा। ट्रायल एक हफ्ते तक चलेगा। ट्रायल रन के दौरान विशेषज्ञों की एक टीम ने ट्रेन की स्पीड, ब्रेकिंग सिस्टम, पावर सप्लाई और सुरक्षा उपकरणों की जांच की। ताकि अगर ट्रायल के दौरान कोई तकनीकी परेशानी आती है तो उसे दूर किया जाएगा। मंत्री

जीवेश मिश्रा ट्रायल रन देखने पहुंचे थे। पीएम मोदी इसका उद्घाटन कर सकते हैं। पहले चरण में पटना मेट्रो को रेड लाइन के नाम से जाना जाएगा। पटना मेट्रो की रेड लाइन न्यू पाटलिपुत्र बस टर्मिनल को जीरो माइल, भूतनाथ, खेमनीचक और मलाही पकड़ी से जोड़ेगी। पहले योजना थी कि 15 अगस्त 2025 को ही पटना मेट्रो का उद्घाटन कर दिया जाए, लेकिन काम पूरा नहीं होने की वजह से बढ़ा दी गई। अब संभावना जताई जा रही है कि प्रधानमंत्री 15 को उद्घाटन करेंगे।

किम जोंग की बेटी पहली बार नॉर्थ-कोरिया के बाहर दिखीं

पिता के साथ चीन के विक्ट्री परेड में शामिल हुईं; दावा-अगली लीडर होंगी

बीजिंग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन के साथ चीन की विक्ट्री परेड में उनकी बेटी किम जू ऐ भी पहुंची। यह पहला मौका था जब किम जू को देश के बाहर देखा गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किम जू ऐ को किम जोंग का उत्तराधिकारी माना जाता है। जू 12 साल की हैं। वह 2022 से अपने पिता के साथ सैन्य परेड, हथियार परीक्षण और अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल होती रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किम जोंग के तीन बच्चे हैं, जिनमें किम जू के अलावा एक बेटा है। उनकी एक और संतान है, जो लड़का है या लड़की, यह स्पष्ट नहीं है। किम जू ऐ की इस यात्रा ने कई सवाल खड़े किए हैं कि क्या किम अपनी बेटी को भविष्य के उत्तराधिकारी के तौर पर तैयार कर रहे हैं। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि जू को को चीन ले जाना

उनकी बढ़ती हैसियत का संकेत है। बीजिंग रेलवे स्टेशन पर उन्हें अपने पिता के साथ खड़ा देखकर यह साफ हो गया कि विदेश में भी उन्हें उत्तर कोरिया का नंबर 2 माना जा रहा है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

प्रकृति के संकेतों को नहीं समझने के भयावह नतीजे

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ताजा पूर्वानुमान ने पूरे देश, विशेषकर उत्तर भारत के लिए गंभीर चिंता पैदा कर दी है। विभाग ने सितंबर माह में सामान्य से अधिक वर्षा होने की आशंका जताई है। दीर्घकालीन औसत के अनुसार यह बारिश 109 फीसदी से अधिक हो सकती है। यह पूर्वानुमान ऐसे समय में सामने आया है जब पहाड़ों से लेकर मैदानों तक लगातार बारिश ने पहले ही जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। उत्तर भारत के कई राज्य आपदा जैसी स्थिति झेल रहे हैं और प्रशासन के साथ सेना व एनडीआरएफ को राहत व बचाव कार्यों में लगाना पड़ा है। पंजाब के कई हिस्सों में हालात इतने बिगड़ गए कि सेना को राहत और बचाव मोर्चा संभालना पड़ा। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इससे निचले इलाकों में जलभराव और बाढ़ का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की स्थिति तो और भी भयावह हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश को सरकार ने पहले ही आपदाग्रस्त घोषित कर दिया है। पहाड़ों में लगातार हो रहे भूस्खलन ने न केवल सड़कों को तबाह कर दिया बल्कि गांव-के-गांव उजड़ने की कगार पर पहुंच गए हैं। उत्तराखंड में बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं ने स्थानीय लोगों की जिंदगी को और कठिन बना दिया है। यहां सबसे गंभीर बात यह है कि यह संकट केवल जान-माल के नुकसान तक सीमित नहीं है। इसका सीधा असर कृषि पर भी पड़ रहा है। लगातार हो रही भारी वर्षा ने खेतों में खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। धान, मक्का और दालों जैसी खरीफ फसलें प्रभावित हो रही हैं। जहां खेत जलमग्न हो गए हैं, वहीं कई जगहों पर मिट्टी बह जाने से उपजाऊ जमीन को भी नुकसान हो रहा है। इसका परिणाम यह होगा कि आने वाले समय में खाद्यान्न उत्पादन घट सकता है और देश को खाद्य संकट का सामना करना पड़ सकता है। जब खाद्य संकट बढ़ेगा तो स्वाभाविक रूप से महंगाई भी बढ़ेगी। आम आदमी की रसोई का बजट बिगड़ना तय है और गरीब वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। असल में, यह पूरी स्थिति हमें बार-बार यह संकेत देती है कि हमने प्रकृति के संतुलन और उसके संदेशों की अनदेखी की है। अनियंत्रित शहरीकरण, वनों की अंधाधुंध कटाई, नदियों के बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण और पहाड़ों में अवैज्ञानिक निर्माण ने आपदाओं को और घातक बना दिया है। जहां कभी जंगल वर्षा के पानी को सोख लेते थे, वहीं अब कंक्रीट के ढेर पानी को रोकने की बजाय बाढ़ में बदल देते हैं। पहाड़ों की छाती पर सुरंगें और बड़े निर्माण कार्य भूस्खलन को और आसान बना देते हैं। यही कारण है कि सामान्य से अधिक बारिश अब केवल बरसात नहीं रह जाती, बल्कि तबाही का कारण बन जाती है। आईएमडी का यह पूर्वानुमान सिर्फ एक वैज्ञानिक सूचना नहीं है, बल्कि चेतावनी है। यह हमें आगाह करता है कि यदि हमने विकास की दौड़ में प्रकृति के संतुलन को नजरअंदाज किया तो भविष्य और भी भयावह होगा।

डिजिटल संप्रभुता : अपनी विशाल डेटा संपदा पर अमरीकी कंपनियों का वर्चस्व करना होगा खत्म

-भारत की नीतिगत पहल और भविष्य की संभावनाएँ

21वीं सदी का सबसे कीमती संसाधन तेल या कोयला नहीं, बल्कि डेटा है। आज की दुनिया में जिस देश के पास जितना अधिक डेटा है, उसकी आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य शक्ति उतनी ही अधिक है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा डिजिटल उपभोक्ता देश है, जहाँ प्रतिदिन अरबों गीगाबाइट डेटा का उत्पादन होता है। लेकिन अफ़सोस की बात यह है कि इस विशाल डेटा संपदा पर वास्तविक नियंत्रण भारतीय कंपनियों या भारतीय सरकार के पास नहीं, बल्कि विदेशी विशेषकर अमेरिकी कंपनियों के पास है। आज भारत के नागरिक गूगल के सर्च इंजन, जीमेल की ई-मेल सेवा, अमेज़न के क्लाउड, माइक्रोसॉफ्ट के ऑपरेटिंग सिस्टम और ऑफिस टूल्स, मेटा के व्हाट्सऐप-फेसबुक-इंस्टाग्राम, और एक्स (ट्विटर) जैसी सोशल मीडिया सेवाओं पर पूरी तरह निर्भर हैं। यह निर्भरता केवल एक तकनीकी विकल्प नहीं है, बल्कि यह भारत की डिजिटल संप्रभुता (Digital Sovereignty) और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है।

डिजिटल संप्रभुता क्या है?

डिजिटल संप्रभुता का अर्थ है – किसी देश का अपने डिजिटल संसाधनों, डेटा, साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल नीतियों पर पूर्ण नियंत्रण होना। इसका मतलब है कि देश के नागरिकों और संस्थानों द्वारा उत्पन्न डेटा देश की सीमाओं के भीतर सुरक्षित रूप से संग्रहित और प्रोसेस हो। विदेशी कंपनियों या सरकारों को इस डेटा पर मनमानी करने का अवसर न मिले। देश अपने सॉफ़्टवेयर, हार्डवेयर, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और साइबर सुरक्षा में आत्मनिर्भर हो। दूसरे शब्दों में, जैसे किसी देश की राजनीतिक संप्रभुता का अर्थ है कि वह अपनी नीतियाँ स्वतंत्र रूप से बनाए और लागू करे, वैसे ही डिजिटल संप्रभुता का अर्थ है कि वह अपने डेटा और डिजिटल आधारभूत ढाँचे पर स्वतंत्र नियंत्रण रखे।

भारत की वर्तमान स्थिति : विदेशी निर्भरता का जाल

भारत आज "डिजिटल इंडिया" के नारे के साथ तेज़ी से डिजिटल क्रांति की ओर बढ़ रहा है। सरकार और निजी क्षेत्र दोनों ही सेवाएँ डिजिटल हो रही हैं – बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, ऊर्जा और प्रशासन – सब कुछ डेटा पर आधारित हो गया है। लेकिन समस्या यह है कि इस डेटा को संग्रहित करने, सुरक्षित रखने और विश्लेषण करने वाली तकनीक और प्लेटफ़ॉर्म ज्यादातर विदेशी हैं।

सर्च इंजन: भारत में 95% से अधिक ऑनलाइन सर्च गूगल पर होते हैं। इसका अर्थ है कि भारतीय नागरिकों की जानकारी खोजने की आदतें, प्राथमिकताएँ और ज़रूरतें अमेरिकी कंपनी के पास दर्ज हो रही हैं।

ई-मेल सेवाएँ: जीमेल, याहू मेल और आउटलुक जैसी सेवाओं पर भारत के 80% से अधिक उपयोगकर्ता निर्भर हैं। सरकारी दफ्तरों में भी निजी जीमेल अकाउंट का प्रयोग आम है।

क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर: अमेज़न वेब सर्विसेज (AWS), माइक्रोसॉफ्ट अज्योर और गूगल क्लाउड – ये तीन अमेरिकी कंपनियाँ भारत के 70% से अधिक क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर नियंत्रण रखती हैं। छोटे-बड़े स्टार्टअप्स से लेकर सरकारी परियोजनाएँ तक इन्हीं सेवाओं का इस्तेमाल करती हैं।

ऑपरेटिंग सिस्टम: भारत में मोबाइल फोन पर एंड्रॉइड (गूगल) और iOS (एप्पल) का लगभग 99% बाज़ार हिस्सा है। कंप्यूटर और लैपटॉप में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज का वर्चस्व है। इसका मतलब यह हुआ कि भारत का डिजिटल जीवन पूरी तरह अमेरिकी सॉफ़्टवेयर पर टिका है।

सोशल मीडिया: भारत में सबसे लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म – व्हाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर) – सभी अमेरिकी कंपनियों के हैं।

इस निर्भरता के ख़तरे

राजनीतिक हथियार बनने का खतरा: डिजिटल निर्भरता कभी भी राजनीतिक अस्त्र में बदली जा सकती है। यदि अमेरिका चाहे तो अपने कार्यकारी आदेश से गूगल, माइक्रोसॉफ्ट या अमेज़न को भारत की सेवाएँ रोकने का निर्देश दे सकता है। ऐसी स्थिति में भारत का बैंकिंग, रक्षा, स्वास्थ्य और संचार ठप हो सकता है। यह परिदृश्य उतना काल्पनिक नहीं है, क्योंकि अमेरिका ने पहले भी "टैरिफ वॉर" में देशों पर दबाव बनाने के लिए व्यापारिक नीतियाँ बदली हैं।

साइबर सुरक्षा खतरे: विदेशी कंपनियों के सर्वर और डेटा सेंटर भारत से बाहर स्थित हैं। यदि ये डेटा गलत हाथों में पहुँच गया तो भारत की सुरक्षा व्यवस्था खतरे में पड़ सकती है।

आर्थिक नुकसान: भारत प्रतिवर्ष अरबों डॉलर अमेरिकी कंपनियों को लाइसेंस शुल्क, क्लाउड स्टोरेज और डिजिटल विज्ञापन के रूप में चुकाता है। इसका सीधा मतलब यह है कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा विदेशी मुनाफ़े में बदल रहा है।

सांस्कृतिक और सूचना नियंत्रण: सोशल मीडिया एल्गोरिद्म विदेशी कंपनियाँ तय करती हैं। वे चाहें तो किसी ख़ास विचारधारा, राजनीतिक दल या उत्पाद को बढ़ावा दे सकती हैं और दूसरी को दबा सकती हैं। यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और सांस्कृतिक विविधता के लिए खतरा है।

वैश्विक उदाहरण

चीन

चीन ने गूगल, फेसबुक, व्हाट्सऐप और ट्विटर जैसी विदेशी सेवाओं को अपने देश में प्रतिबंधित किया और अपने स्थानीय विकल्प विकसित किए – बाईडू (सर्च इंजन), वीचैट (सोशल मीडिया और पेमेंट), अलीबाबा क्लाउड, टेनसेंट आदि। परिणामस्वरूप चीन न केवल डिजिटल संप्रभुता हासिल कर सका, बल्कि आज दुनिया की अग्रणी टेक्नोलॉजी ताक़त बन गया है।

यूरोप

यूरोपीय संघ (EU) ने "GDPR" (General Data Protection Regulation) लागू कर विदेशी कंपनियों पर कड़ा डेटा प्राइवेसी नियम थोप दिया। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना था कि यूरोपियन नागरिकों का डेटा यूरोप की सीमा में सुरक्षित रहे और उसका दुरुपयोग न हो।

रूस

रूस ने "डेटा लोकलाइजेशन" क़ानून बनाया जिसके तहत सभी विदेशी कंपनियों को रूसी नागरिकों का डेटा रूस के भीतर ही संग्रहित करना अनिवार्य है।

भारत के सामने चुनौतियाँ

भारत में डिजिटल संप्रभुता हासिल करने की राह आसान नहीं है।

तकनीकी पिछड़ापन – भारत अभी तक ऑपरेटिंग सिस्टम, प्रोसेसर और बड़े स्तर की क्लाउड सेवाओं में आत्मनिर्भर नहीं है।

वित्तीय संसाधन – गूगल, अमेज़न और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों के पास खरबों डॉलर का पूंजी भंडार है। भारतीय कंपनियाँ उनकी बराबरी नहीं कर पा रही हैं।

स्टार्टअप इकोसिस्टम की निर्भरता – अधिकांश भारतीय स्टार्टअप AWS या गूगल क्लाउड पर चलते हैं। विकल्प देने के लिए भारत को विशाल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना होगा। जनता की आदतें – भारतीय उपभोक्ता गूगल, व्हाट्सऐप और फेसबुक के आदी हो चुके हैं। उन्हें स्वदेशी विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित करना आसान नहीं होगा।

भारत के लिए रास्ते : आत्मनिर्भर डिजिटल भारत

राष्ट्रीय डेटा नीति: भारत को ऐसी नीति बनानी होगी जिसमें सभी सरकारी और निजी संस्थानों के लिए डेटा लोकलाइजेशन अनिवार्य हो। संवेदनशील क्षेत्रों जैसे रक्षा, बैंकिंग, स्वास्थ्य और ऊर्जा का डेटा केवल भारत में बने सर्वरों पर ही संग्रहित हो।

स्वदेशी क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर: सरकार और निजी कंपनियों को मिलकर भारतीय क्लाउड सेवा विकसित करनी चाहिए। इसके लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP मॉडल) का उपयोग किया जा सकता है।

स्वदेशी सर्च इंजन और ई-मेल सेवा: भारत को गूगल का विकल्प तैयार करने की दिशा में निवेश करना चाहिए। सरकारी विभागों को अनिवार्य रूप से भारतीय ई-मेल सेवाओं का उपयोग करना चाहिए।

ओपन-सोर्स आधारित ऑपरेटिंग सिस्टम: माइक्रोसॉफ्ट विंडोज की जगह भारत को अपना ओपन-सोर्स आधारित ऑपरेटिंग सिस्टम विकसित करना चाहिए।

मेडिकल फिटनेस की प्रक्रिया को तकनीक से जोड़ पारदर्शी बनाएं

-सरकारी नौकरियों में फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट का खेल

भारत में सरकारी नौकरियों को लेकर युवाओं के बीच अपार उत्साह है। लाखों उम्मीदवार हर साल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सालों का समय और परिश्रम लगाते हैं। इन नौकरियों में न केवल स्थायी रोजगार की गारंटी होती है बल्कि समाज में एक सम्मानजनक पहचान भी मिलती है। लेकिन जब मेहनतकश और हकदार युवाओं का हक किसी भ्रष्ट व्यवस्था की वजह से छिन जाए, तो यह न केवल लोकतंत्र और प्रशासनिक ढांचे पर सवाल उठाता है बल्कि युवाओं के मन में गहरी निराशा भी भर देता है। आजकल भर्ती प्रक्रियाओं में पेपर लीक, नकल और दलाली जैसे अपराध तो सामने आते ही रहते हैं, लेकिन हाल का मामला और भी गंभीर है – फर्जी मेडिकल फिटनेस व दिव्यांग प्रमाण पत्रों के जरिए सरकारी नौकरी हथियाने का भ्रष्टाचार। राजस्थान सहित कई राज्यों में एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) की जांच ने इसका खुलासा किया है।

समस्या की जड़: फर्जी मेडिकल व दिव्यांग सर्टिफिकेट

सरकारी नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था संविधान प्रदत्त अधिकार है। इसमें दिव्यांगों को भी उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए विशेष प्रावधान है। लेकिन चिंताजनक तथ्य यह है कि इन प्रमाणपत्रों को जारी करने वाले ही अफसर और डॉक्टर अब मिलीभगत में शामिल पाए जा रहे हैं। हाल के वर्षों में शिक्षक भर्ती, नर्सिंग भर्ती और पुलिस भर्ती में बड़ी संख्या में ऐसे उम्मीदवार सामने आए जिन्होंने फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी प्राप्त कर ली। जयपुर और भरतपुर जिलों में तो यह खेल सबसे अधिक चला। कई मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) कार्यालय से प्रमाण पत्र धड़ल्ले से बेचे गए। नतीजा यह हुआ कि जो उम्मीदवार शारीरिक रूप से स्वस्थ थे, वे भी सरकारी रिकॉर्ड में "दिव्यांग" दिखा दिए गए और असली दिव्यांग युवाओं का हक छिन गया। यह केवल भ्रष्टाचार ही नहीं बल्कि संवेदनहीनता का घृणित उदाहरण है। दिव्यांगों के साथ पहले ही नियति ने मजाक किया है और जब सरकारी व्यवस्था भी उनके हक को छीन ले तो यह दोहरी मार है।

भ्रष्टाचार का दायरा और असर

फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट का भ्रष्टाचार सिर्फ दिव्यांग प्रमाण पत्र तक सीमित नहीं है। भर्ती प्रक्रिया में मेडिकल फिटनेस की रिपोर्ट भी अक्सर औपचारिकता बनकर रह जाती है। कई उम्मीदवार प्रभावशाली लोगों की सिफारिश या रिश्वत के बल पर मेडिकल फिट घोषित कर दिए जाते हैं, जबकि वास्तव में वे गंभीर बीमारियों या शारीरिक कमियों से ग्रस्त होते हैं। पुलिस, सेना, रेलवे जैसी सेवाओं में जहां शारीरिक रूप से सक्षम होना आवश्यक है, वहां भी "मेडिकल फिटनेस" की आड़ में बड़े खेल हो जाते हैं। असली असर यह होता है कि नौकरी पाने वाले अयोग्य साबित होते हैं, और काम की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है। इससे न केवल युवाओं का विश्वास टूटता है बल्कि पूरी व्यवस्था की पारदर्शिता और विश्वसनीयता भी खत्म हो जाती है।

तकनीक क्यों है जरूरी?

आज डिजिटल इंडिया का दौर है। आधार कार्ड से लेकर पासपोर्ट तक की प्रक्रिया ऑनलाइन हो चुकी है। फिर मेडिकल सर्टिफिकेट जैसी संवेदनशील प्रक्रिया अब भी कागज़ी और मानव-निर्भर क्यों रहे? तकनीक का इस्तेमाल भ्रष्टाचार रोकने और पारदर्शिता लाने का सबसे कारगर तरीका हो सकता है।

एकीकृत ऑनलाइन पोर्टल: सभी मेडिकल बोर्ड और सीएमएचओ कार्यालयों को एक सिंगल डिजिटल पोर्टल से जोड़ा जाए। प्रमाण पत्र जारी होते ही वह सीधे पोर्टल पर अपलोड हो। उम्मीदवार अपने प्रमाणपत्र को आधार और भर्ती पोर्टल से लिंक कर सके।

डिजिटल वेरिफिकेशन सिस्टम: सर्टिफिकेट पर क्यूआर कोड/बारकोड अनिवार्य हो। किसी भी भर्ती बोर्ड या विभाग द्वारा इसे स्कैन करने पर तुरंत पता चल जाए कि रिपोर्ट असली है या नकली। फर्जीवाड़ा करने वालों की पहचान तत्काल संभव हो।

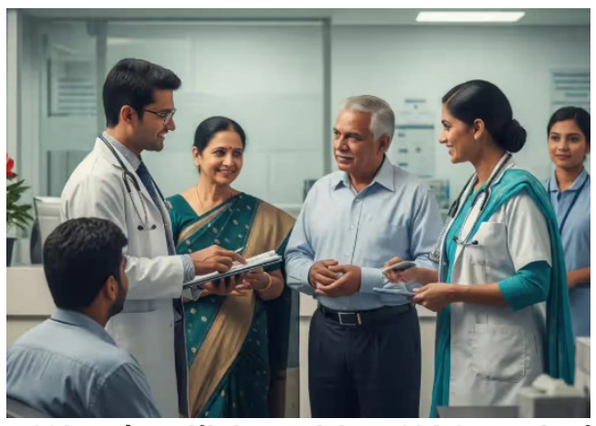

बायोमेट्रिक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: मेडिकल चेकअप के दौरान बायोमेट्रिक आधारित उपस्थिति अनिवार्य की जाए। एआई आधारित स्कैनिंग और मेडिकल रिपोर्टिंग से मानवीय हस्तक्षेप कम किया जाए। एक्स-रे, ब्लड टेस्ट और फिजिकल टेस्ट जैसी रिपोर्ट सीधे क्लाउड सिस्टम पर अपलोड हों।

पारदर्शिता और जवाबदेही: प्रत्येक जारी मेडिकल सर्टिफिकेट पर डॉक्टर का नाम, रजिस्ट्रेशन नंबर और डिजिटल हस्ताक्षर दर्ज हों। अगर कोई गड़बड़ी पकड़ी जाए तो जिम्मेदार डॉक्टर और अधिकारी पर तत्काल कानूनी कार्रवाई हो।

दिव्यांग उम्मीदवारों के हक की सुरक्षा

दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए आरक्षण व्यवस्था केवल सरकारी आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन में बदलाव का अवसर है। फर्जी प्रमाण पत्रों ने इस अवसर को छीन लिया है। तकनीक से पारदर्शी प्रक्रिया ही उन्हें समान अवसर दे सकती है। मेडिकल चेकअप में वीडियो रिकॉर्डिंग की व्यवस्था हो ताकि भविष्य में सत्यापन हो सके। राज्य स्तर पर दिव्यांग सर्टिफिकेट की ऑडिट प्रणाली बने, जिसमें हर साल जांच हो कि कितने प्रमाण पत्र जारी हुए और किनके आधार पर भर्ती हुई।

सरकार की जिम्मेदारी

सरकार को यह समझना होगा कि मेडिकल फिटनेस प्रक्रिया केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह भर्ती की रीढ़ है। अगर इसमें ही गड़बड़ी हो तो पूरी भर्ती प्रक्रिया भ्रष्ट हो जाती है। सरकार को तत्काल आदेश जारी कर डिजिटल वेरिफिकेशन अनिवार्य करना चाहिए। फर्जी प्रमाणपत्र जारी करने वाले डॉक्टरों और अधिकारियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई हो। भर्ती बोर्ड को भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए हर प्रमाण पत्र का क्रॉस-वेरिफिकेशन करना होगा।

युवाओं के विश्वास की बहाली

सरकारी नौकरी की तैयारी करने वाले लाखों युवा ईमानदारी से मेहनत करते हैं। जब वे देखते हैं कि कोई अपात्र व्यक्ति भ्रष्टाचार करके नौकरी पा गया, तो उनके मन में निराशा और आक्रोश भर जाता है। तकनीक आधारित पारदर्शी प्रक्रिया ही युवाओं का विश्वास लौटा सकती है। जब उन्हें लगेगा कि सिस्टम निष्पक्ष है और मेहनत का सही मूल्य मिलेगा, तभी वे और मजबूत मन से तैयारी करेंगे। आज जरूरत है कि मेडिकल फिटनेस और दिव्यांग प्रमाणपत्र की प्रक्रिया को पूरी तरह तकनीक आधारित और पारदर्शी बनाया जाए।

एकीकृत ऑनलाइन पोर्टल, डिजिटल वेरिफिकेशन, बायोमेट्रिक और एआई रिपोर्टिंग, वीडियो रिकॉर्डिंग और वार्षिक ऑडिट, जैसे कदम इस दिशा में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं। सरकार अगर मेडिकल फिटनेस को "औपचारिकता" की बजाय पारदर्शी और सरल प्रक्रिया बनाएगी, तभी युवाओं की मेहनत का सही सम्मान होगा। इससे न केवल फर्जीवाड़े पर रोक लगेगी बल्कि समाज में यह संदेश जाएगा कि मेहनत करने वाला ही सफल होगा, भ्रष्टाचार करने वाला नहीं।

अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान : एक अमर क्रांतिकारी की जीवन गाथा

-काकोरी कांड: अंग्रेज़ी हुकूमत को झकझोरने वाली घटना

भारत की आज़ादी की लड़ाई में असंख्य वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी। कुछ नाम इतिहास के पन्नों में स्वर्णाक्षरों से अंकित हो गए तो कुछ धीरे-धीरे धुंधलके में खोते चले गए। लेकिन कुछ ऐसे क्रांतिकारी हुए जिनकी शख़्सियत, उनकी बहादुरी और बलिदान आज भी प्रेरणा का स्रोत है। ऐसे ही एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान। वे हिन्दस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन (HRA) के सक्रिय सदस्य थे और 1925 के प्रसिद्ध काकोरी कांड में शामिल रहे। उन्हें गोरखपुर जेल में 19 दिसंबर 1927 को फांसी पर चढ़ा दिया गया। उनकी शहादत ने आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश दिया कि मातृभूमि के लिए जान देना सबसे बड़ा धर्म है। इस लेख में हम उनके जीवन, संघर्ष, विचारों और बलिदान को विस्तार से समझेंगे।

प्रारंभिक जीवन और परिवार

अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान का जन्म 22 अक्टूबर 1900 को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर ज़िले में हुआ। उनके पिता का नाम शफ़ीक़ उल्ला ख़ान और माता का नाम मज़रुनिस्सा बेग़म था। परिवार आर्थिक रूप से संपन्न नहीं था, लेकिन शिक्षित और संस्कारी वातावरण था। बचपन से ही अशफ़ाक़ पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ कविताएं लिखने में रुचि रखते थे। वे उर्दू और हिन्दी दोनों भाषाओं में कविता लिखते थे और "हसरत" तख़ल्लुस से शायरी करते थे। उनकी शायरी में मुल्क से मोहब्बत और ग़ुलामी के ख़िलाफ़ जज़्बा साफ झलकता था।

शिक्षा और युवावस्था

अशफ़ाक़ की प्रारंभिक शिक्षा शाहजहांपुर में ही हुई। वे तेज दिमाग़ और जिज्ञासु स्वभाव के थे। जैसे-जैसे वे बड़े हुए, उनके दिल में अंग्रेज़ी हुकूमत के प्रति गुस्सा और मुल्क को आज़ाद देखने की तड़प बढ़ती गई। 1919 का जालियांवाला बाग़ हत्याकांड उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। हजारों निर्दोष भारतीयों की निर्मम हत्या ने उनके भीतर विद्रोह की आग जला दी। वे मानते थे कि अंग्रेज़ों से आज़ादी केवल शांतिपूर्ण तरीक़ों से नहीं, बल्कि संघर्ष और क्रांति के रास्ते से ही मिल सकती है।

क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल होना

1920 के दशक में जब पूरे देश में असहयोग आंदोलन और क्रांतिकारी गतिविधियां चल रही थीं, तब अशफ़ाक़ भी इस लहर में शामिल हो गए। इसी दौरान उनकी मुलाक़ात रामप्रसाद बिस्मिल से हुई। दोनों के विचार एक जैसे थे – दोनों को मुल्क से बेपनाह मोहब्बत थी और दोनों का विश्वास था कि विदेशी हुकूमत को हटाने के लिए संगठित क्रांतिकारी संघर्ष ज़रूरी है। इसी सोच से जुड़कर अशफ़ाक़ ने हिन्दस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन (HRA) में सदस्यता ली। इस संगठन का मक़सद अंग्रेज़ों की आर्थिक रीढ़ पर प्रहार कर आज़ादी की लड़ाई को मज़बूत करना था।

हिन्द–मुस्लिम एकता का प्रतीक

अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान और रामप्रसाद बिस्मिल की दोस्ती हिन्द–मुस्लिम एकता का बेहतरीन उदाहरण थी। उस दौर में अंग्रेज़ "फूट डालो और राज करो" की नीति पर काम कर रहे थे। लेकिन अशफ़ाक़ और बिस्मिल की दोस्ती ने साबित किया कि मुल्क की आज़ादी के लिए हिन्द और मुसलमान कंधे से कंधा मिलाकर लड़ सकते हैं। काकोरी कांड में शामिल ज़्यादातर क्रांतिकारी अलग-अलग धर्मों और जातियों से थे, लेकिन सभी का मक़सद एक ही था – मातृभूमि की आज़ादी।

काकोरी कांड (1925)

क्रांतिकारी गतिविधियों को अंजाम देने और संगठन की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए धन चाहिए था। अंग्रेज़ों के खज़ाने से पैसा निकालना सबसे सही उपाय समझा गया। 9 अगस्त 1925 को अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान, रामप्रसाद बिस्मिल, राजेंद्र लाहिड़ी, चंद्रशेखर आज़ाद और अन्य साथियों ने मिलकर लखनऊ के पास काकोरी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रोककर सरकारी खज़ाना लूट लिया। यह घटना इतिहास में काकोरी कांड के नाम से मशहूर हुई। हालाँकि इसमें आम जनता का एक यात्री मारा गया, लेकिन क्रांतिकारियों का उद्देश्य केवल अंग्रेज़ी सरकार के धन को हथियाना था, ताकि संगठन को मजबूत किया जा सके।

गिरफ़्तारी और मुक़दमा

काकोरी कांड के बाद अंग्रेज़ सरकार हिल गई। क्रांतिकारियों की धरपकड़ शुरू हुई। कई महीनों की तलाश के बाद अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान को दिल्ली से गिरफ़्तार किया गया। उन पर मुक़दमा चलाया गया। अंग्रेज़ सरकार ने उन्हें और उनके साथियों को "देशद्रोही" और "आतंकवादी" साबित करने की कोशिश की, लेकिन अदालत में अशफ़ाक़ ने बड़े साहस से कहा – "मैंने मुल्क की आज़ादी के लिए काम किया है। अगर यह गुनाह है तो मैं यह गुनाह बार-बार करूंगा।"

फांसी की सज़ा

काकोरी कांड के मुक़दमे में चार क्रांतिकारियों को फांसी की सज़ा सुनाई गई – रामप्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान, राजेंद्र लाहिड़ी, ठाकुर रोशन सिंह, बाक़ियों को उम्रक़ैद और कड़ी सजाएं दी गईं। 19 दिसंबर 1927 को गोरखपुर जेल में अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान को फांसी दे दी गई। कहते हैं कि फांसी से पहले वे पूरी हिम्मत और मुस्कुराहट के साथ आगे बढ़े। उनके अंतिम शब्द थे – "मेरे हाथ में तस्लीम-ए-ख़ुदा (ख़ुदा की रज़ा) है। मैं मातृभूमि के लिए अपनी जान क़ुर्बान कर रहा हूँ।"

शहादत का असर

अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान की शहादत से पूरा देश ग़मगीन हो गया। उनकी बहादुरी ने क्रांतिकारियों की नई पीढ़ी को और भी मज़बूत कर दिया। भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु जैसे नौजवान उनके बलिदान से प्रेरित हुए। उनकी शहादत ने यह भी साबित किया कि आज़ादी की लड़ाई में किसी एक धर्म या जाति का वर्चस्व नहीं था। हर मज़हब और तबक़े के लोग इसमें शामिल थे।

अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान की शायरी

अशफ़ाक़ न सिर्फ क्रांतिकारी थे, बल्कि शायर भी थे। उनकी कलम से निकले अशआर आज भी आज़ादी की महक लिए हुए हैं। वे कहा करते थे – "कुर्बानी और मोहब्बत ही इंसान को अमर बनाती है।" उनकी शायरी में मुल्क के लिए मोहब्बत और ग़ुलामी से नफ़रत साफ झलकती थी। अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान का जीवन हमें यह सिखाता है कि आज़ादी कोई खैरात में मिली चीज़ नहीं है, बल्कि लाखों बलिदानों का नतीजा है। उन्होंने यह साबित किया कि धर्म, जाति या भाषा से ऊपर उठकर अगर हम सब मिलकर लड़ें तो कोई भी ताक़त हमें ग़ुलाम नहीं बना सकती। उनकी शहादत ने हिन्दस्तानियों के दिलों में यह विश्वास पैदा किया कि अंग्रेज़ों को हराना मुमकिन है। आज जब हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं तो यह उन शहीदों की कुर्बानियों की वजह से ही संभव हुआ है। अशफ़ाक़ उल्ला ख़ान का नाम हमेशा-हमेशा के लिए अमर रहेगा – "वो शख़्स जिसने हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूमा और मुल्क की मिट्टी पर अपने ख़ून से आज़ादी का रंग चढ़ाया।"

सोजत में सड़क तथा पुलिया निर्माण के 27 कार्य पूर्ण- उप मुख्यमंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरूवार को विधानसभा में कहा कि विधानसभा क्षेत्र सोजत में गत डेढ़ वर्ष में सड़क निर्माण, मरम्मत तथा पुलिया निर्माण के स्वीकृत 60 कार्यों में से 27 कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं। आठ कार्य प्रगतिरत हैं। शेष 25 कार्यों में 7 कार्यों का कार्यादेश जारी कर दिया गया है व 18 कार्यों की निविदा प्रक्रियाधीन है। उप मुख्यमंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सोजत की गागुड़ा ग्राम पंचायत में बरियाला पुलिया के निर्माण के लिए परीक्षण करवाकर तदनुसार निर्णय लिया जाएगा। इससे पहले विधायक शोभा चौहान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सोजत (जिला-पाली/ब्यावर) में 1 जनवरी 2024 के पश्चात सड़क निर्माण, मरम्मत तथा पुलिया निर्माण के कुल 60 कार्य राशि रु. 9272.96 लाख की स्वीकृति जारी की गई। इनमें से 27 कार्य राशि रु. 633.51 लाख के पूर्ण किये जा चुके हैं उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में विधानसभा क्षेत्र सोजत (जिला-पाली/ब्यावर) में सड़क निर्माण व मरम्मत के कुल 41 कार्य राशि रु. 4295.00 लाख स्वीकृत है।

ऑडिट प्रक्रिया कार्यप्रणाली में सुधार और परिणामों को और अधिक बेहतर बनाने में सहायक

-आरएसजीएल का सालाना कारोबार 100 करोड़ पार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महालेखाकार ऑडिट द्वितीय रामावतार शर्मा ने कहा है कि बेहतर कार्य परिणामों के साथ ही सरकारी गैर-सरकारी संस्थाओं को सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि आधारभूत ढांचे से विकसित क्षेत्रों के नागरिकों को हरित उर्जा को बढ़ावा देने के लिए आगे आकर सीएनजी, डीपीएनजी जैसी सुविधाओं से जुड़ना होगा। उन्होंने सीएनजी संस्थाओं को भी आधारभूत ढांचा विकसित करने के काम में तेजी लाने की आवश्यकता प्रतिपादित की। महालेखाकार ऑडिट द्वितीय रामावतार शर्मा के नेतृत्व में आज दल के सदस्यों ने राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस लि. की कार्यप्रणाली को समझा और आरएसजीएल की कार्यप्रणाली और वित्तीय अनुशासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि तकनीक के उपयोग से कार्य में पारदर्शिता के साथ ही गुणवत्ता और उपभोक्ताओं तक बेहतर सेवाएं उपलब्ध हो पाती है और राजस्थान स्टेट गैस द्वारा तकनीक के उपयोग का ही परिणाम है कि बेहतर परिणाम प्राप्त होने लगे हैं। उन्होंने कहा कि ऑडिट प्रक्रिया कार्यप्रणाली में सुधार और परिणामों को और अधिक बेहतर लाने में सहायक होती है। राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने बताया कि राजस्थान गैस का वार्षिक कारोबार 100 करोड़ को पार कर गया हैं वहीं कोटा में ही 50 हजार से अधिक घरों के लिए आधारभूत सुविधा विकसित कर दी है। उन्होंने बताया कि वाहनों के लिए सीएनजी, घरेलु उपभोक्ताओं के लिए डीपीएनजी सेवाएं, औद्योगिक प्रतिष्ठानां और व्यावसायिक संस्थाओं को प्राकृतिक गैस सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। रणवीर सिंह ने बताया कि नीमराना में एलएनजी पंप स्टेशन की स्थापना राजस्थान के और आरएसजीएल की बड़ी उपलब्धी होगी। उन्होंने बताया कि तकनीक का उपयोग करते हुए पेपरलेस सेवाएं उपलब्ध कराने से कार्य में पारदर्शिता और उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ा है। चर्चा के दौरान महालेखाकार कार्यालय से उपमहालेखाकार एएमजी प्रथम विनोद परिहार, वरिष्ठ ऑडिट अधिकारी अमित गोयल, सचिव महालेखाकार गौरव प्रजापत, राजस्थान गैस से उपमहाप्रबंधक विवेक रंजन, कंपनी सचिव विनिता सोनी, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र शर्मा ने भी हिस्सा लिया।

हजरत सूफी शाह मोहम्मद याकूब अली का 27 वा सालाना उर्स 6 सितंबर को

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका) । हजरत ख्वाजा हाजी सूफी शाह मोहम्मद अब्दुल मजीद बिस्मिल रहमतुल्लाह अलैह के खास खलीफा हजरत सूफी शाह मोहम्मद याकूब अली आशिकी बिस्मिल कादरी रहमतुल्ला अलैह का सालाना 27 वां उर्स मुबारक बड़े ही अदब व एहतराम के साथ दिनांक 6 सितंबर 2025, शनिवार को नाहरी का नाका कब्रिस्तान, जयपुर में मनाया जाएगा।

बैठक और तैयारियाँ -

दरगाह के गद्दीनशीन जनाब सरफुद्दीन आशिकी (बबलू मियां) ने बताया कि उर्स मुबारक की तैयारी को लेकर एक आम बैठक हुई। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गईं- मेहमानों के रहने, पानी, बिजली, ठहरने और पार्किंग की मुकम्मल व्यवस्था की जाएगी। इस पाक उर्स मुबारक की सरपरस्ती खानकाहे बिस्मिल सीकर के सज्जादा गद्दीनशीन, हजरत हाजी सूफी शाह मोहम्मद मोइनुद्दीन जिलानी साहब (सीकर वाले पीर साहब) फरमाएंगे।

उर्स मुबारक का कार्यक्रम-

नमाज-ए-जुहर के बाद चादर शरीफ व महफिल ए कवाली, शाम 5:00 बजे मजार शरीफ पर चादर और अकीदत के फूल पेश किए जाएंगे, इसके बाद लंगर पर नियाज़ और तकसीम, नमाज-ए-इशा के बाद महफ़िले कव्वाली- जयपुर और सीकर के मशहूर कव्वाल अपना सूफियाना कलाम पेश करेंगे, सुबह 4:00 बजे रंग की महफ़िल के साथ उर्स मुबारक का समापन होगा। इस मुबारक मौके पर हिंदुस्तान के विभिन्न राज्यों से आपके मुरीद, अकीदतमंद और पीर भाई बड़ी तादाद में शिरकत करेंगे। बैठक में जनाब इकराम, जमालुद्दीन, अब्दुल शकूर, दीन मोहम्मद, इशाक, फरीद, मोनू, मुन्ना, शोएब अली, शिव प्रकाश, रहीश खान सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नई दिल्ली में जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक

-जीएसटी प्रणाली में सुधारात्मक उपायों से राज्यों की राजस्व प्राप्ति सुदृढ़ होगी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में बुधवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित जीएसटी काउंसिल की 56 वीं बैठक में देश भर की कर प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सरल और जनहितकारी बनाने पर विस्तृत विचार विमर्श हुआ। बैठक में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने प्रदेश के पक्ष को मजबूती से रखते हुए बताया कि बैठक में विशेष रूप से इस पक्ष पर चर्चा की गई कि किस तरह से जीएसटी प्रणाली को कारोबारियों और आम नागरिकों के लिए सहज और व्यवस्थित बनाया जाए साथ ही कर दरों में आवश्यकतानुसार संशोधन, छूट एवं रियायतें, छोटे व्यापारियों को राहत देने के उपाय, तथा तकनीकी माध्यमों से ईमानदार करदाताओं को सुविधा और पारदर्शिता प्रदान करने पर भी बल दिया गया। उद्योग राज्य मंत्री ने बताया कि जीएसटी प्रणाली में आगामी सुधारात्मक कदमों से न केवल कर प्रणाली में जटिलताओं की कमी होगी, बल्कि राज्य सरकारों की राजस्व प्राप्ति भी सुदृढ़ होगी, जिससे आमजन को अधिकाधिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में जीएसटी जैसी ऐतिहासिक कर प्रणाली ने देशभर की अर्थव्यवस्था को एक राष्ट्र, एक कर की दिशा में मज़बूती दी है। जीएसटी के कारण न केवल व्यापार करने की प्रक्रिया सरल हुई है, बल्कि राज्यों की वित्तीय स्थिति भी मज़बूत हुई है। विश्नोई ने यह विश्वास व्यक्त किया कि आगामी सुधार आम नागरिकों और कारोबारियों दोनों के लिए राहतकारी होंगे तथा भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति और नई ऊँचाइयाँ प्रदान करेंगे। बैठक में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रीगण एवं वित्त मंत्रीगण, राजस्व विभाग के सचिव, सीबीआईसी के अध्यक्ष एवं सदस्य तथा वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट- 2025 की स्टेकहोल्डर्स मीट

-पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के विशेषज्ञों ने साझा किया विज़न

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) और राजस्थान पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (आरडीटीएम) 2025 के पाँचवें संस्करण की स्टेकहोल्डर्स मीट का भव्य आयोजन आईटीसी राजपूताना, जयपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजस्थान पर्यटन विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव तथा राजस्थान पर्यटन विभाग, आयुक्त रूक्मणि रियार रहे। कार्यक्रम में अपूर्व कुमार, पूर्व अध्यक्ष, एफएचटीआर, कुलदीप सिंह चंदेला, अध्यक्ष, एफएचटीआर, सुरेन्द्र एस. शाहपुरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, एफएचटीआर, सीए वीरेंद्र एस. शेखावत, महासचिव, एफएचटीआर आदि गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी सेक्टर से जुड़े अनेक विशेषज्ञों, इंडस्ट्री लीडर्स और संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में आगामी राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट 2025 की दिशा, स्वरूप और पर्यटन उद्योग के लिए इसके महत्व पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में राजस्थान पर्यटन विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव ने कहा कि भारत में पर्यटन की अद्दत अनुभूति राजस्थान में हमेशा से रही है और आगे भी बनी रहेगी। 2023-24 के आँकड़ों के अनुसार, राजस्थान घरेलू और विदेशी पर्यटकों की पसंद में पाँचवें स्थान पर है, जहाँ दोनों श्रेणियों में राज्य का हिस्सा 7-8 प्रतिशत है। राज्य सरकार ने आतिथ्य क्षेत्र के लिए विशेष योजनाएँ भी लागू की हैं। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक स्मारकों के साथ ही अब पर्यटन में नई सम्भावनाओं के भी द्वार खुल रहें हैं। आज का पर्यटक ऐतिहासिक स्मारकों से आगे अनुभव आधारित पर्यटन को भी एक्सप्लोर करना चाहता है। उन्होंने कहा कि अब हमें पर्यटन के नए डेस्टिनेशन को विकसित करने की ओर आगे बढ़ाना होगा। राज्य सरकार नवाचारों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ढांचागत सुविधाएं विकसित करने प्रतिबद्धता से काम कर रही हैं। राज्य सरकार की ओर से पर्यटन के क्षेत्र में एक हजार करोड़ रुपयों के कार्य किये जा रहें हैं। सरकार पांच वर्षों में पांच हजार करोड रुपये पर्यटन विकास खर्च कर राजस्थान को पर्यटन का सिरमौर बनाने हेतु कार्य कर रही है।

वन राज्य मंत्री की अगुवाई में अलवर के स्कूली बच्चों ने देखी विधानसभा की कार्यवाही

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा की अगुवाई में अलवर के स्कूली बच्चों ने बुधवार को राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही को देखकर विधानसभा की कार्यप्रणाली व संसदीय परंपराओं को समझा। इस दौरान देवनानी ने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान की गरिमा और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों ने पीतल वाले ऐतिहासिक गेट पर विधानसभा अध्यक्ष देवनानी और वन राज्यमंत्री संजय शर्मा के साथ सामूहिक फोटो लिए। विद्यालय प्रबंधन ने इस अवसर के लिए विधानसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने बताया कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं तथा आने वाले समय में बच्चों पर ही लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने का दारोमदार है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी विधानसभा की कार्यवाही को नजदीक से महसूस कर सके, इसके लिए चिनार स्कूल के विद्यार्थियों के दल को लोकतंत्र के मंदिर का भ्रमण कराया गया है, जहां बच्चों ने पक्ष और विपक्ष के बीच हो रही बहस, प्रश्नकाल और सीटिंग एरेंजमेंट को देखा। इस दौरान बच्चों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि विधानसभा की कार्यवाही को देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। यहां आकर विधानसभा में जनहित के मुद्दों पर होने वाली बहस, विधायकों की भूमिका और लोकतंत्र की महत्वता के बारे में गहनता से जानने का अवसर मिला है।

होद की पाल मोहल्ले में 3 माह से गंदे पानी का डेरा

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के पंचमुखी मंदिर स्थित होद की पाल मोहल्ले में पिछले तीन माह से जमा गंदे पानी ने ग्रामीणों का जीना दूभर कर दिया है। आम रास्ते पर भरे इस गंदे पानी से गुजरना ग्रामीणों की मजबूरी बन गया है। जिससे नाराज शमीम बानो, बरकत हलीमा, सायरा हनीशा, किस्मत बेगम, बानो शबनम, छीतर शाह, सवाब शाहिद, मुमताज शाह, लतीफ शाह, शाहरुख लियाकत सहित कई लोगों ने प्रशासन के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। उनका कहना है कि शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। वही ग्रामीणों का आरोप है कि वे कई बार नगर पालिका अध्यक्ष सुनीता प्रजापत और अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव को लिखित शिकायत दे चुके हैं, मगर कार्रवाई के नाम पर सिर्फ आश्वासन ही मिला। वही पूजा-पाठ हो या शव यात्रा, हर जगह मुश्किल, स्थानीय निवासी शमीम बानो ने बताया कि इस रास्ते से हनुमान मंदिर, गणेश मंदिर, स्कूल और अक्सा मस्जिद तक लोग आते-जाते हैं। पूजा हो या नमाज, लोगों को गंदे पानी से होकर ही गुजरना पड़ता है। यहां तक कि शव यात्रा तक निकालना मुश्किल हो जाता है। बच्चे कई बार पानी में फिसलकर घायल हो चुके हैं। हाल ही में गणेश चतुर्थी पर कार्यक्रम में भी इसी गंदे पानी के बीच में से निकल कर भक्त आए। पालिका ने केवल मंदिर तक मिट्टी डलवाई, जिससे बाकी मोहल्ले में पानी की समस्या और गंभीर हो गई। इस दौरान शाहिद खान ने बताया कि इस रूट पर स्कूल भी मौजूद है जो इस मार्ग से होकर गुजरते हैं जहां कई विद्यालय के विद्यार्थी गिरकर चोटिल हो चुके हैं।

इंटरनेशनल एएमयू एलुमनाई कॉन्फ्रेंस दिसम्बर 2025 में जयपुर में होगी आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एएमयू ओल्ड बॉयज़ एसोसिएशन (AMUOBA) राजस्थान, सर सैयद एजुकेशन फ़ाउंडेशन और कई शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों की बैठक जयपुर के जगतपुरा स्थित प्राइम एस्टेट, आर्कॉन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में हुई। इस मौके पर हुई बैठक में फैसला लिया गया कि दिसंबर 2025 में जयपुर में इंटरनेशनल एएमयू एलुमनाई कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। मीटिंग की अध्यक्षता एएमयू ओल्ड बॉयज़ एसोसिएशन राजस्थान के अध्यक्ष डॉ. आज़म बेग ने की। बैठक का संचालन डॉ. शौकत अली (महासचिव, AMUOBA राजस्थान) ने किया। इस मौके पर डॉ. फ़ैयाज़ अहमद, प्रो. एम.एस. आज़मी, प्रो. सिराजुल हक़ ख़ान, डॉ. फरहत चौधरी, डॉ. मक़बूल अहमद, डॉ. आफ़ताब अहमद नक़वी, डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा, डॉ. दयार नूरानी सहित 50 से अधिक सदस्य मौजूद रहे। सम्मेलन में सर सैयद डे 2025 को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (ए.एम.यू.) की कुलपति प्रो. नईमा ख़ातून मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगी। इस सम्मेलन का उद्देश्य दुनिया भर के एएमयू के पूर्व छात्रों को एक मंच पर लाना और सर सैयद अहमद ख़ान की आधुनिक शिक्षा, सामाजिक सुधार और महिला शिक्षा की सोच को आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम में शिक्षा और सामाजिक समानता को लेकर चर्चा होगी।

समाजसेवी समीर मलिक को किया सम्मानित

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका) । नमस्ते भारत फाउंडेशन (ट्रस्ट) के भव्य उदघाटन सम्मान समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में समाज सेवी समीर मलिक शामिल हुए। मलिक ने बताया कि इस अवसर पर राज्यसभा सांसद राम कुमार वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष जयपुर शहर अमित गोयल, NIMS मेडिकल कॉलेज चेयरपर्सन डॉ. शोभा तोमर, पूर्व भाजपा मीडिया प्रभारी विमल कटियार, भाजपा प्रदेश मीडिया पैनल प्रमोद विशिष्ट, भाजपा जयपुर विद्याधर नगर विधानसभा मीडिया से संयोजक क्षमा अग्रवाल, भाजपा बनीपार्क मण्डल से निज़ाम भाटी व नमस्ते भारत फाउंडेशन के संस्थापक हंस कमार ब्रह्मभट्ट, अध्यक्ष चिरंजी लाल सैनी, महिला अध्यक्ष- राजकुमारी ब्रह्मभट्ट, उपाध्यक्ष- बजरंग खण्डेलवाल, विरेन्द्र सिंह राठौड़, महासचिव- अमित सिंह राव, कोषाध्यक्ष- रोहित शर्मा, सचिव- गीता सैनी संगठन मंत्री- मनोज शर्मा व अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

वर्षा प्रभावित इलाकों में राहत पहुंचाने के लिए युद्धस्तर पर जुटा प्रशासन- जिला कलक्टर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिले में विगत दिनों हुई लगातार बारिश से कई क्षेत्रों में जलभराव और जनजीवन प्रभावित हुआ है। इस स्थिति से निपटने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर किए जा रहे हैं। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी मिशन आपदा प्रबंधन की सघन मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने निर्देश जारी किये है कि राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलक्टर के निर्देश पर उपखंड अधिकारी, तहसीलदार और राजस्व अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया गया है। ये अधिकारी फील्ड में जाकर स्थिति का आकलन कर रहे हैं और मौके पर ही आवश्यक कदम उठा रहे हैं। साथ ही आवश्यकता अनुसार नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों को भी लगाया गया है। राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए जेसीबी मशीनें, पंप सेट और अन्य संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। अतिप्रभावित इलाकों से आमजन को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है तथा प्रभावित परिवारों को राशन किट और फूड पैकेट वितरित किए गए हैं। कोटखावदा क्षेत्र में अग्रिम आदेश तक अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी की विशेष तैनाती की गई है ताकि राहत कार्यों की गति और तेज हो सके। जलभराव और रपट वाले इलाकों में चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं तथा लाउडस्पीकर के माध्यम से आमजन को लगातार सावधान रहने और सुरक्षित रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा वर्षा से हुए फसल खराबे का भी जायजा लिया जा रहा है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड वाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

संतो के सानिध्य में ऐतिहासिक डोल मेले का आगाज

-आत्मा से आत्मा का मिलन है मेला- संत लक्ष्मणदास

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जलझूलनी एकादशी के अवसर पर हाडौती के ख्यातनाम डोलमेले का विधिवत उद्घाटन संत समाज द्वारा 3 सितंबर 2025 को किया गया। मेला केम्प पर नगर परिषद सभापति, उपसभापति, मेला अध्यक्ष, आयुक्त तथा परिषद के सभी पार्षदों की मौजूदगी में गणेश पूजन के उपरान्त ध्वजारोहण कर मेले का आगाज किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद लक्ष्मण जी महाराज सीसवाली वालों ने कहा कि आत्मा से आत्मा का मिलन ही मेला होता है। नगर परिषद इसे बडी मेहनत से आयोजित करवाती है तो मेलार्थियों का भी इसे संजाने संवारने का दायित्व बनता है। वृन्दावन से पधारे कोकिल पुष्प् महाराज ने कहा कि या तो वृन्दावन में रस बरसता है या फिर बारां में। मेले में बिछड़े लोगो का मिलन होता है। उन्होने ने कहा कि डोल ग्यारस के अवसर पर सभी सकारात्मक सोच बढ़ाने का संकल्प ले। महन्त परशावाले बाबा ने मेले का महत्व बताते हुए कहा कि वेदों के अनुसार सबसे पहला मेला मिथिला में आयोजित किया गया था तभी से हिन्द समाज में यह परिपाटी चलती आ रही है। डोलमेला प्यारेंराम मन्दिर के परिसर मे आयोजित होता है जो तपस्वी भूमी है ऐसे में पूरे मेले मे आते ही पवित्रता का अहसास होता है। इस अवसर पर मुरारी

जी पुजारी बमोरीडाबर कोटा, रामदास जी महाराज देवरी धाम और जूना अखाड़ा के मौनी बाबा ने भी अपने विचार व्यक्त कियें। नगर परिषद सभापति ज्योति पारस ने कहा कि इस बार सभी पार्षद गणों ने कन्धे से कन्धा मिलाकर मेले को सफल बनाने का प्रयास किया है वा सराहनीय है। मेला जनभावनाओं से जुड़ा होता है सभी का दायित्व बनता है कि इस आयोजन को शिखर तक पहुंचाये। मेलाध्यक्ष ममता नागर ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि टीम भावना से किया गया कार्य हमेशा सफल होता है। इस बार मेंले में कई नवाचार किये गये जो सभी पार्षदगणों के टीम भावना से ही सम्भव हो सका। इस बार सांस्कृतिक विरासत डोल मेले को बड़े जतन से सजाया गया है। प्रभू कृपा से इस बार डोल तालाब भी भरा हुआ है जिससे मेलार्थियों को नौकायान करने का लुत्फ उठाने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होने आमजनता से अपील की कि वे मेले की व्यवस्थाओं में सहयोग करें और अपने अमूल्य सुझाव दे। नेता प्रतिपक्ष दिलीप शाक्यवाल ने सभी पार्षदों का आभार व्यक्त करते हुए मेले की सफलता में दिए गये योगदान सराहा। सभापति ज्योति पारस मेलाध्यक्ष, उपसभापति नरेश गोयल पार्षद अन्तुरानी, सत्यनारायण शर्मा, सीता सोन, यशवन्त अर्जुन यादव, राजेन्द्र जैन, ललित गुर्जर, मयंक माथोड़िया, पुरूषोत्तम नागर, रोहिताश्व सक्सेना, प्रदीप विजयवर्गीय समेत सभी पार्षदों ने सभी संतों का शॉल और श्रीफल देकर सम्मान किया और आशिर्वाद लिया। नगर परिषद के आयुक्त मोतीशंकर नागर ने कहा कि इस बार मेले में झूला प्रांगण को आधुनिक तरीके से सजाया गया है तो मेले के मध्य में डिवायडर का निर्माण हर वर्ष होने वाली यातायात परेशानी को दूर करने का प्रयास किया गया है। और तलाव की पाल पर विद्त सज्जा कर मेले को आकर्षक बनाने की कोशिश की गई है।

रेलवे कर्मचारी रुमा नाज़ ने अपने जन्मदिन पर सफाई कर्मचारियों का किया सम्मान

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सेवा, शिक्षा, मोहब्बत, सम्मान और भाईचारे के मूल मंत्र पर कार्य करने वाली टीम वतन फाउंडेशन की महासचिव व मोहब्बत की रसोई , संस्थापक रेलवे कर्मचारी रूमा नाज़ ने गुरुवार को अपने जन्मदिन को एक अनोखे अंदाज़ में मनाया। उन्होंने रेलवे स्टेशन परिसर में अपनी ड्यूटी निभाने वाले सफाई कर्मचारियों का सम्मान कर यह संदेश दिया कि असली हीरो वही हैं, जो समाज को स्वच्छता और बेहतर वातावरण देने में दिन-रात मेहनत करते हैं। रूमा नाज़ ने कहा कि "सफाई कर्मचारी हमारे समाज की रीढ़ हैं। रेलवे स्टेशन पर हमेशा साफ-सुथरा वातावरण इन्हीं की मेहनत और लगन का परिणाम है। हाल ही में गणेश चतुर्थी जैसे बड़े पर्व पर जब सफाई का दबाव दोगुना हो गया, तब भी इन कर्मचारियों ने पूरी ईमानदारी और समर्पण से अपनी जिम्मेदारी निभाई।" उनके इस कदम से सफाई कर्मचारियों

के चेहरे पर खुशी झलक उठी और समाज में भी सकारात्मकता का संदेश गया। वतन फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हुसैन आर्मी ने बताया कि यह परंपरा वह हर साल निभाती हैं ताकि समाज को यह प्रेरणा मिले कि सम्मान सिर्फ बड़े पदों पर बैठे लोगों का नहीं, बल्कि उन असली नायकों का भी होना चाहिए जो चुपचाप समाज की सेवा करते हैं। संगठन महासचिव सुनीता मधुकर ने बताया कि हमारा संगठन समाज के निचले पायदान पर रहकर धरातल पर काम करता है ताकि समाज की छुपी हुई प्रतिभाओं को सम्मान मिल सके वही टीम के संरक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा सफाई कर्मचारियों का सम्मान कर उनसे रूबरू हुए। टीम के साथी राजेश पहाड़िया, विमल पांडे उरूज़ हुसैन घनश्याम बैरवा, अली हुसैन आदि ने भी सभी सफाई कर्मचारियों के सम्मान में भागीदारी निभाई।इस अवसर पर स्थानीय रेलवे सुरक्षा बल के आई पी एफ (निरीक्षक) मानसिंह भी मौजूद रहे। रूमा नाज की ओर से उनकी मौजूदगी में पूरी वतन फाउंडेशन टीम ने निरीक्षक मानसिंह तथा सभी सफाई कर्मचारियों का माल्यार्पण कर व साफा बंधवाकर सम्मान किया। सभी कर्मचारियों एवं आई पी एफ मानसिंह ने रूमा नाज को जन्मदिन की बधाई दी तथा पूरी वतन फाउंडेशन टीम का आभार व्यक्त किया।

टोंक हादसा: 7 साल की बच्ची की मलबे में दबकर मौत

टोंक (रॉयल पत्रिका)। शहर के मोती बाग मोड़ पर बुधवार को दर्दनाक हादसा हो गया। एक पुराने मकान का छज्जा अचानक गिर गया, जिसकी चपेट में आकर 7 साल की मासूम बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बच्ची घर के बाहर खेल रही थी तभी अचानक मकान का पुराना छज्जा भरभराकर गिर पड़ा। भारी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत मलबा हटाने का प्रयास किया। लेकिन तब तक मासूम की जान जा चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस व प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और आसपास की भीड़ को नियंत्रित किया। जेसीबी मशीन की मदद से मलबा हटाया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस इलाके में कई पुराने जर्जर मकान हैं, जिनसे कभी भी हादसा हो सकता है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि तुरंत ऐसे मकानों का सर्वे करवाकर कार्यवाही की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं को रोका जा सके। इस हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर है और लोग परिवार के प्रति संवेदना जता रहे हैं।

मदर एंड चाइल्ड केयर विभाग द्वारा महिला स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली हॉस्पिटल, उदयपुर के मदर एंड चाइल्ड केयर विभाग की ओर से महिला स्वास्थ्य और निःशुल्क प्रसव सेवाओं को लेकर विशेष जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मिराज मल्हार, रामेश्वरम अपार्टमेंट, अरावली हाइट्स और शुभलक्ष्मी अपार्टमेंट परिसर में संपन्न हुआ।

अभियान के दौरान प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नलिनी शर्मा, डॉ. अनुपमा हाड़ा, डॉ. अर्चना शर्मा, और डॉ. दिव्या चौधरी ने महिलाओं को स्वास्थ्य

संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं। विशेषज्ञों ने निःशुल्क डिलीवरी सेवाओं के बारे मंस विस्तार से बताते हुए महिलाओं को समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने की सलाह दी। गीतांजली हॉस्पिटल ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जागरूक करने का कार्य निरंतर जारी रहेगा।अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: 9116170338

एस हिन्द बाल निकेतन स्कूल में ईद मिलादुन्नबी व शिक्षक दिवस मनाया गया

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। एस हिन्द बाल निकेतन स्कूल, जंगीवाड़ा पाली में जश्ने ईद मिलादुन्नबी और शिक्षक दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। संस्था अध्यक्ष शहनाज बानो गोरी और सचिव सैयदा मुसर्रत बानो ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा नात शरीफ और तकरीर से हुई। इसमें सिमरन, तंजीला, अली हसनैन, असद, हसन, गुलाम अहमद रज़ा, दानिश, असमा, अदनान, नफीसा और सुहाना ने कार्यक्रम पेश किया। सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र सारा बानो रही, जिसने अंग्रेजी भाषा में प्रभावशाली तकरीर पेश की। खुसूसी मेहमान पीर अशरफ साहब कादरी ने हज़रत मुहम्मद की ज़िंदगी व सीरत पाक पर रोशनी डाली। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की ओर से बच्चों को दुरूद पाक पढ़ने का टारगेट दिया गया था। इसमें पिछले दस दिनों में नफीसा बानो ने सबसे ज्यादा 95 हज़ार बार दुरूद शरीफ पढ़कर मिसाल कायम की। उनकी हौसला अफजाई के लिए विद्यालय की ओर से उन्हें सीरत मोहम्मद की किताब भेंट की गई। अंत में बच्चों को तबर्रुक बांटा गया, जिसे पाकर बच्चों में खुशी का माहौल देखा गया।

नगर परिषद झुंझुनूं के न्याय मित्र गुप्ता ने निकाय अधिकारियों की बैठक ली

-सीवरेज का पानी बाहर सड़क पर आने की समस्या गंभीर है, 7 दिन में समाधान नहीं हुआ तो ठेकेदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाएगी

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। माननीय लोक अदालत जिला झुंझुनू द्वारा नगर परिषद झुंझुनूं के लिए नियुक्त न्याय मित्र के के गुप्ता द्वारा बुधवार को नगर परिषद निकाय के अधिकारियों की बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए वहीं, बैठक के दौरान आम जनता की शिकायतों को भी सुना गया और त्वरित निस्तारण के आदेश जारी किए गए।

सीवरेज का पानी ओवरफ्लो होना गंभीर समस्या, ठेकेदार 7 दिन में ठीक करें-

बैठक के दौरान न्याय मित्र गुप्ता ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सीवरेज का पानी बाहर सड़कों पर आ रहा है और ओवरफ्लो की शिकायतें बार-बार जनता से प्राप्त हो रही हैं यह बहुत गंभीर स्थिति है। इस पर तत्काल प्रभाव से कड़ी कार्यवाही की जाए और संबंधित ठेकेदार का भुगतान रोकते हुए और मेंटेनेंस का भी आगामी भुगतान नहीं करें तथा अगले 7 दिन में समस्या का समाधान नहीं किया जाए तो संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई जाए।

गाय को गौशाला में रखने का उचित प्रबंध करें-

न्याय मित्र गुप्ता ने कहा कि झुंझुनू शहर के विभिन्न मुख्य मार्ग और गलियों में गौ माता बेसहारा रूप से विचरण कर रही है, उन सभी को आगामी 15 सितंबर तक गौशाला में रखा जाए और उनके चारा पानी

का उचित प्रबंध भी देखा जाए तथा भविष्य में भी कोई भी गौ माता सड़कों पर नजर नहीं आनी चाहिए। इसके लिए नगर परिषद के सहायक अभियंता को प्रभारी बनाया गया।

आगामी 7 दिन में सभी स्ट्रीट लाइट ठीक करें-

न्याय मित्र गुप्ता के सामने आम जनता द्वारा रोड लाइटों की शिकायते आने पर पर प्रभारी सहायक अभियंता ने कहा कि 7 दिवस के अंदर-अंदर सारी लाइट ठीक हो जाएगी। इसके लिए हमने चार टीमें बना दी है। सड़कों पर बड़े-बड़े खड्डा के लिए सीमेंट कंक्रीट से खड़े को भरने के निर्देश दिए। जिस पर कल से कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। इसके लिए एक सहायक अभियंता को प्रभारी बनाया गया।

नगर में बेहतर सफाई कार्य के लिए सफाई निरीक्षकों को पाबंद किया-

सफाई निरीक्षकों की कमी को लेकर खाली स्थान पर जमादार प्राथमिकता के आधार पर लगाए जाएंगे, तत्पश्चात उन्हें सफाई निरीक्षक की जिम्मेदारी हेतु सरकार को पत्र लिखा जाए सात दिवस में कार्रवाई पूर्ण कर सूचना सरकार को भिजवा दी जाए। हर घर कचरा संग्रहण को लेकर नया टेंडर कर दिया गया है। कार्य आदेश दे दिया जाएगा। तत्पश्चात इसकी मॉनिटरिंग का कार्य जीपीएस के माध्यम से नियमित किया जाएगा हर घर से कचरा उठाने का पूरा प्रयास किया जाएगा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होगी एक सहायक अभियंता को इसकी लिए प्रभारी बनाया गया।

धरती को हरा भरा बनाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण ही मजबूत विकल्प

-जन सेवक विधायक डूंगर राम गेदर के जन्म दिन पर घांघू में किया पौधारोपण

चूरू (रॉयल पत्रिका)। गांव घांघू में जन सेवक सूरतगढ़ विधायक डूंगर राम गेदर के 59वें जन्म दिन पर पौधरोपण किया गया। पौधारोपण का शुभारंभ समाजसेवी परमेश्वर लाल दर्जी ने स्थानीय श्रीबैकुंठ मुक्तिधाम परिसर में पीपल का पौधा लगाकर किया। इस मौके पर समाजसेवी परमेश्वरलाल दर्जी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और धरती को हराभरा बनाने के लिए पौधारोपण आज की महत्ती आवश्यकता है। हमें धरा को सुंदर बनाने, पर्यावरण सरंक्षण व प्रकृति पोषण के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करना चाहिए, उन्होंने जनसेवक सूरतगढ़ विधायक डूंगर राम गेदर के स्वस्थ, सुखद और उज्जवल जीवन की कामना की। कार्यक्रम संयोजक बीरबल नोखवाल ने बताया कि घांघू के

श्रीबैकुंठ मुक्तिधाम परिसर में पीपल, नीम, शीशम, बकाण सहित अन्य किस्म के पौधे लगाए गए। नोखवाल ने बताया की जन सेवक सूरतगढ़ विधायक डूंगर राम गेदर ने जन सेवा के लिए शादी नहीं की, अपने नाम से किसी भी प्रकार की सम्पति नहीं है, किसी भी मद से जो भी आय होती है जन सेवा में ही लगाते हैं। उन्होंने जन सेवा को ही जीवन का आधार बना रखा है। समाज को ऐसे उच्च व्यक्तिव के जन सेवको के जन्मदिन अवश्य मनाने चाहिए। ग्रामवासियों ने भी पौधे लगाकर जन सेवक के स्वस्थ, सुखी व दीर्घायु जीवन की कामना की। इस मौके पर मिस्त्री सलीम खान, जगदीश सिहाग, साजिद बड़गुर्जर, हारून व्यापारी, रईस, बुधराम प्रजापत, दिनेश कुमार, सुनील कुमार ने पौधरोपण किया।

बीडी श्रमिकों के नियमित अध्यनरत बच्चों के लिए प्री मेट्रिक छात्रवृति ऑनलाइन आवेदन तिथि बढी

बारां (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार श्रम एवं रोजगार मंत्रालय श्रम कल्याण संगठन अजमेर क्षेत्र द्वारा बीडी श्रमिकों के नियमित अध्ययनरत बच्चों की प्री मेट्रिक ऑनलाइन छात्रवृति आवेदन की तिथि को 31 अगस्त से बढाकर 15 सितबर कर दिया गया है। ऑनलाइन आवेदन छात्रवृति के लिए प्री मेट्रिक कक्षा हेतु अब 15 सितंबर अंतिम तिथि कर दी गई है। केंद्रीय आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी बारां प्रभारी डा. एमसी शर्मा ने बताया कि बीडी श्रमिकों के नियमित अध्ययनरत बच्चे अब प्री मेट्रिक कक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन 15 सितंबर तक कर सकते हैं। पोस्ट मैट्रिक कक्षा हेतु अंतिम तिथि 31 अक्टूबर है।

वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा के लिए प्रशिक्षण आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से जिले में 7 से 12 सितंबर तक 6 पारियों में आयोजित होने वाली वरिष्ठ अध्यापक भर्ती प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारियों को लेकर गुरुवार को जिला परिषद के सभागार में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में नोडल अधिकारी व एडीएम दिवांशु शर्मा ने कहा कि परीक्षा में नियोजित सभी अधिकारी व कार्मिक गंभीरतापूर्वक इस परीक्षा को पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाए। सभी परीक्षा केंद्रों पर प्रतियोगी परीक्षा के अलावा किसी अन्य प्रकार की गतिविधि नहीं हो। सभी केंद्राधीक्षक व वीक्षक आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार परीक्षा का आयोजन करवाएं। कदाचार की घटनाओं को रोकने के लिए परीक्षार्थियों की तलाशी के साथ ड्रेस कोड की पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का उपयोग नहीं किया जाएगा। सभी केन्द्राधीक्षक परीक्षा से संबंधित दिशा निर्देशों का भली प्रकार से अध्ययन कर लें जिससे किसी भी प्रकार की शंका न रहे। प्रशिक्षण में एडीईओ हरिमोहन गालव व राजेन्द्र मेहता ने परीक्षा आयोजन के संबंध में प्रशिक्षण दिया। इस दौरान केन्द्राधीक्षण, उप समन्वयक, सतर्कता दल एवं पर्यवेक्षक उपस्थित थे।

श्याम सुंदर होगे "शिक्षक गौरव सम्मान 2025" से सम्मानित

"शिक्षक गौरव सम्मान 2025" से सम्मानित किया जाएगा।

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के एक निजी होटल में शिक्षक दिवस पर मानव जन जागृति संस्थान द्वारा राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 2025 आयोजित होगा। संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष सौदागर कांदेला ने बताया कि शिक्षा व सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए जाने पर सेवानिवृत प्रधानाध्यापक श्याम सुन्दर वर्मा को राज्य स्तरीय

दीपावली से पूर्व सुधारें शहर की समस्त क्षतिग्रस्त सड़कें- देवनानी

-विधानसभा अध्यक्ष ने दिए जिला कलक्टर, नगर निगम व एडीए को निर्देश शहर में विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए है कि बारिश के कारण शहर मे क्षतिग्रस्त हुई समस्त सड़कों को दीपावली से पूर्व मरम्मत एवं नवीनीकरण करवाएं। दीपावली सबसे बड़ा त्यौहार है, इसमें शहर के लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसी तरह बजट घोषणाओं व शहर के विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं में भी तेज गति से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जिला कलक्टर लोक बन्धु एवं नगर निगम व एडीए के अधिकारियों के साथ शहर के हित से जुड़े विभिन्न बिन्दओं पर चर्चा की। देवनानी ने जिला कलक्टर को निर्देश दिए कि बारिश के कारण अजमेर शहर में क्षतिग्रस्त हुई समस्त सड़कों की मरम्मत एवं नवीनीकरण दीपावली से पूर्व कर लिया जाए। दीपावली बड़ा त्यौहार है, ऐसे में शहर के लोगों को समय रहते राहत प्रदान की जाए। इसके लिए नगर निगम, अजमेर विकास प्राधिकरण एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर काम किया जाए। देवनानी ने निर्देश दिए कि राज्य सरकार द्वारा की गई बजट घोषणाओं पर तेजी से अमल किया जाए ताकि समय से काम पूरा हो सके। देवनानी ने वरूण सागर झील, चौरसियावास तालाब सौन्दर्यीकरण व जीर्णोद्धार के लिए डीपीआर, निविदा व अन्य कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर के एन्ट्री प्लाजा निर्माण के लिए अजमेर विकास प्राधिकरण अपनी कार्रवाई तेज करे। इसी तरह अजमेर में बनने वाले कन्वेंशन सेन्टर के लिए भूमि का चयन और अन्य औपचारिकताओं को जल्द पूरा किया जाए। देवनानी ने निर्देश दिए कि शास्त्री नगर से सावित्री चौराहे तक सड़क चौड़ी करने के लिए अजमेर विकास प्राधिकरण शीघ्र कार्य शुरू करे। इसी तरह पृथ्वीराज नगर के पास बनने वाले बहुउद्देशीय स्टेडियम के निर्माण की कार्रवाई भी तेज की जाए। बांडी नदी का विकास, अतिक्रमण के विरूद्ध कार्यवाही एवं विभिन्न सड़कों पर वृक्षारोपण आदि की कार्यवाही भी की जाए।

आओं शहर चले अभियान 15 सितम्बर से, तैयारियों को लेकर ईओं ने ली बैठक

रतननगर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की ओर से आगामी 15 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक चलाये जाने वाले आओं शहर चले अभियान की तैयारियों को लेकर यहां बुधवार को रतननगर नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी भरत गौड़ ने पालिका के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधयों, मौजूदा पार्षद, स्वच्छता सैनानियों के साथ बैठक कर सम्बन्धितों को कार्य आवंटित कर अभियान में अभी से जुड जाने के निर्देश दियें। उन्होनें कहा कि नगरपालिका से सम्बन्धित सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए सभी को गंभीरता से और प्राथमिकता से कार्य करना है ताकि सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन को लाभान्वित किया जा सकें। उन्होनें बताया कि अभियान के दौरान बिजली-पानी एवं सफाई सहित विभिन्न समस्याओं का नियमानुसार समाधान किया जायेगा। उन्होनें ने सफाई निरीक्षक, जमादारों और स्वच्छता सैनानियों को निर्देश देते हुए कहा कि आगामी महिनों में दीपावली सहित विभिन्न तीज-त्योहार आयेंगे ऐसे में सफाई की व्यवस्था में किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं मिलें इस बात का विशेष ध्यान रखा जावें। उन्होनें बताया कि नगरपालिका में गुरूवार से तैयारी कैम्प प्रारम्भ किये जा रहे है जिनमें आमजन अपनी समस्याओं के बारे में लिखित में सूचना दे सकते है ताकि समय पर समस्याओं का समाधान किया जा सकें।

आदि कर्मयोगी अभियान का एक दिवसीय आमुखीकरण का हुआ आयोजन

पाली (रॉयल पत्रिका)। आदि कर्मयोगी अभियान उत्तरदायी शासन कार्यक्रम जनजाति कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जनजातिय समुदायों को सशक्त बनाने और अंतिम छोर तक सेवा संतृप्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डिस्ट्रीक प्रोसेस लेब गुरूवार को एक दिवस आमुखीकरण जिला कलेक्ट्रेट सभागार पाली में आयोजित की गई।

जिसमें अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ बंजरग सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारम किया जिला प्रोसेस लेब में सभी डिस्टीक मास्टर टेनर/ब्लॉक मास्टर टेनर एवं जिला अधिकारियों को सेवा समर्पण और संकल्प की भावना के साथ जनजाति क्षेत्रों में सर्वागिण विकास के लिए कार्य करेंगे एवं केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंच सुनिश्चित करे, आमुखीकरण में विशाल सीपा एवं महेन्द्र सिंह अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद पाली ने आदि कर्मयोगी अभियान उत्तरदायी शासन कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई।

जिला मास्टर टेनर देवन्द्र डाबी, एसीबीईओ डॉ. वेदान्त गर्ग, डीवाई सीएमएचओ प्रकाश चन्द्र, सीडीपीओ हनुमान प्रसाद मीणा, एक्सएन जलदाय साहिल पोसवाल, एसीएफ मदन सिंह, एडीओ हेमन्त कुमार प्रशासनिक अधिकारी जिला परिषद ने भी आदि कर्मयोगी अभियान की अपने अनुभव साझा किये। जिला प्रोसेस लेब में समस्त विभाग के जिला अधिकारी, एनजीओ, एसएचजी, डीएमटी, बीएमटी उपस्थित रहे। आगामी तीन दिवस ब्लॉक मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण आयोजित किया जायेगा।

15 अक्टूबर को होगा पांचवां कलाम रत्न अवार्ड कार्यक्रम

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। हमारा पैगाम भाईचारे के नाम थीम पर काम कर रहे वतन फाउंडेशन पदाधिकारियों की बैठक शनिवार को संगठन की संरक्षक रजनी लक्ष्यकार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक कि जानकारी देते हुए संगठन महासचिव रूमा नाज ने बताया कि आगामी 15 अक्टूबर 2025 को कालम रत्न अवार्ड सम्मान समारोह धूमधाम से आयोजित करने का निर्णय लिया गया। सम्मान समारोह को सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित करने को लेकर बैठक में मौजूद पदाधिकारियों ने अपने अपने सुझाव दिए। फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हुसैन आर्मी ने बताया कि टीम वतन फाउंडेशन पिछले 5 वर्षों से लगातार हर साल 15 अक्टूबर को भारत रत्न मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साहब की याद में इस आयोजन को करती आ रही है।

आर्मी के अनुसार सम्मान समारोह में जिले के सरकारी विद्यालयों के कक्षा 10 और 12 के टॉपर्स छात्र छात्राओं सहित जिले की अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को कलाम रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जाता है। टीम वतन फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश सिसोदिया ने बताया कि ने गत वर्षों के मुकाबले इस बार भी कार्यक्रम को और भव्य व प्रेरणादायी रूप में मनाया जाएगा, ताकि समाज में प्यार मोहब्बत भाईचारे के साथ शिक्षा, प्रेरणा और सकारात्मक सोच का संदेश आम जन तक पहुंच सके। संगठन सचिव सुनीता मधुकर ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर शीघ्र ही अगली बैठक आयोजित कर कार्यक्रम को सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित करने के लिए सभी की अलग अलग जिम्मेदारी दी जाएगी। बैठक में संरक्षक राजेश शर्मा,हुसैन आर्मी,रूमा नाज,रजनी लक्ष्यकार, सुनीता मधुकर, सुनीता देवी वर्मा, सुमन शर्मा, कैलाश सिसोदिया, मोइन खान, वरिष्ठ अध्यापक अब्दुल मजीद मुकेश जैन, जाबिर अली, आशीष मेहरा, विमल पांडे आदि लोग मौजूद रहे।

कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त बारहवफात पर 5 सितंबर को

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मजिस्ट्रेट एवं कलक्टर अभिषेक सुराणा ने 05 सितबंर को बारावफात (चांद से) के पर्व पर जिले के विभिन्न कस्बों एवं क्षेत्रों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। जारी आदेश के अनुसार चूरू एडीएम को चूरू, राजगढ़, सिद्धमुख, तारानगर, भानीपुरा व सरदारशहर तथा सुजानगढ़ एडीएम को सुजानगढ़, रतनगढ़, राजलदेसर एवं बीदासर के लिए समग्र प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा राजगढ़, चूरू, तारानगर, रतनगढ़, बीदासर, सुजानगढ़ व सरदारशहर एसडीएम को उनसे संबंधित संपूर्ण उपखंड क्षेत्र के लिए कार्यपालक मजिस्ट्रेट लगाया गया है। चूरू तहसीलदार को रतननगर, राजगढ़ तहसीलदार को राजगढ़, सिद्धमुख तहसीलदार को सिद्धमुख, तारानगर तहसीलदार को साहवा, राजलदेसर तहसीलदार को राजलदेसर, सरदारशहर तहसीलदार को सरदाशहर, सुजानगढ़ तहसीलदार को सालासर, बीदासर तहसीलदार को छापर एवं भानीपुरा तहसीलदार को भानीपुरा कस्बों के लिए कार्यपालक मजिस्ट्रेट लगाया गया है। जिला कलक्टर ने सभी

अधिकारियों को कानून व्यवस्था एवं आपसी सौहार्द बनाए रखने तथा असामाजिक व साम्प्रदयिक तत्वों से निपटने के लिए विशेष निगरानी रखते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों से समन्वय रखते हुए सोशल मीडिया पर पर आपत्तिजनक सामग्री नहीं प्रचारित हो, इसकी पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

संकल्प (हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमन) मिशन शक्ति 10 दिवसीय विशेष जागरुकता अभियान

-महिला केंद्रित योजनाओं एवं नीतियों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय तथा निदेशालय महिला अधिकारिता विभाग के निर्देशानुसार मिशन शक्ति योजना संकल्प हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमन अंतर्गत 12 सितंबर, 2025 तक 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक राजेन्द्र सिंह ने बताया कि महिला अधिकारिता विभाग चूरू द्वारा मिशन शक्ति के तहत कार्यालय सभागार में बुधवार को महिला केंद्रित योजनाओं एवं नीतियों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अहसान गौरी ने एमटीपी एक्ट, पीसीपीएनडीटी जिला समन्वयक राजकुमार ने पीसीपीएनडीटी एक्ट, जेंडर स्पेशलिस्ट ज्ञानप्रकाश गोदारा ने महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र, सखी केन्द्र, पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केन्द्र की परामर्शदाओं को परामर्श के मार्गदर्शन सिद्वातों, परामर्श की गुणवता, केस कार्यवाई योजना, केस एक्सन प्लान आदि विषय में जानकारी दी।कार्यशाला में पूनम, मंजू, सुमन, रौशनी, जनिता, कामिनी,सुमित्रा, सुमन, प्रेम कुमारी व चूरू ब्लॉक की समस्त साथिन उपस्थित रही।

जिला विधि साक्षरता शिविर में मेघा लोक अदालत में आपसी सहमति समझाइए से राजीनामा से विवाद सुलझाने की अपील

चुरु (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांधी ग्राम रामसरा की राउमावि के सभागार में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर की ओर से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चुरु के निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविन्द्र कुमार के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डा शरद कुमार ब्यास की देखरेख में आयोजित विधिक साक्षरता शिविर के मुख्य वक्ता एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति जिला अध्यक्ष सीवील राइट सोसाइटी चुरु ने मंच से जिले भर के लोगों से दिनांक 13 सीतम्बर 2025को जिला मुख्यालय चुरु पर लगने वाली मेघा लोक अदालत में आपसी सहमति, समझाइश से राजीनामा से विवाद सुलझाने की अपील की, उन्होंने कहा कि न्यायालय के फैसले से एक पक्ष जितता है जबकि लोक

अदालत में राजीनामा से दोनों पक्षों की जीत होती है। उन्होंने राजीनामा पर अपनी स्वरचित राजस्थानी कविता मुच्छयारो आंटो सुनाकर लोक अदालत की भावना व्यक्त की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि शशीकांत प्रजापत व्याख्याता ने बच्चों को संस्कारित शिक्षा देते हुए कहा कि जीवन लम्बा हो या ना हो पर गुणवत्ता पुर्ण होना चाहिए और सफलता के लिए विद्यार्थी को जिज्ञासु होना बहुत जरूरी है। उन्होंने बच्चों को टचस्क्रीन मोबाइल से दुर रहने के साथ ही अभावों को ताकत बना कर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य मधु कंवल ने आगंतुकों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में अनील कुमार, मंजु कस्वा, मधु कुमारी, राजेन्द्र घींटाला, मिनाक्षी फगेड़िया, आशिफ खान, अहमद खान, सुरेंद्र तंवर, प्रेम कुमार, तारामणी सैनी, सलेमुदिन, देवेन्द्र गहलोत शशी शर्मा, मनोज वर्मा आदि ने सहभागिता दी। कार्यक्रम का संचालन अनिल कुमार ने किया।

बारिश से टूटी सड़क बनी दुर्घटना का अड्डा, प्रशासन बेखबर

-दरगाह तौकीर हसन से लेकर कृषि उपज मंडी के पीछे तक भरा पानी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर वाहन चालकों के लिए पंखा रोड से सैनीक बस्ती की तरफ जाने वाले रास्ते पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है मदरसा तोकीर हसन दरगाह से लेकर कृषि मंडी के पीछे तक बरसात का पानी भरा हुआ है सड़कों पर गहरे गड्ढे होने की वजह से आए दिन बाइक चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं चूरू जिला मुख्यालय की भालेरी रोड़ से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की ओर जाना खतरे से खाली नहीं है। यहां बारिश के कारण सड़क टूट गई है। यह टूटी हुई सड़क दुर्घटना का अड्डा बन गई है। यहां से आने जाने वाले वाहन चालकों को बहुत परेशानी हो रही है। सड़क पर पड़े गड्ढे वाहन चालकों के जी का जंजाल बने हुए हैं। इस स्थान पर दर्जनों बाइक सवार दुर्घटना के शिकार हो चुके हैं। दूसरी तरफ प्रशासन इस बात से पूरी तरह बेखबर है। आसपास के लोगों ने बताया कि प्रशासन को अवगत करवा देने के बाद भी कोई समाधान नहीं हुआ

है। इन गड्ढों को खुद कलेक्टर और एडीएम आते जाते अपनी आंखों से देखते हैं। उनका ऑफिस मात्र 100 मीटर ही दूर है। लोगों ने टूटी हुई सड़क को तुरंत सही करवाने की मांग करते हुए कहा कि यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। प्रशासन को चाहिए कि वह बड़े हादसे का इंतजार करने की बजाय शीघ्र ही सड़क को सही करवाए ताकि लोगों को राहत मिल सके। प्रशासन ने तुरंत उचित कदम नहीं उठाया तो लोगों को मजबूरन धरना प्रदर्शन करना पड़ेगा। आखिर प्रशासन किस लिए है, जब आमजन की कोई परवाह ही नहीं है तो फिर उन्हें अपने पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। त्याग पत्र देकर घर चले जाना चाहिए। इस प्रकार आँखें बंद करके बैठ जाना मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना है। बाढ़ नियंत्रण के नाम पर लाखों रुपयों का बजट ठिकाने लगा चुके बताए। जबकि वास्तव में देखें तो ये गड्ढे दिखाई देते हैं। संबंधितों को अपनी छाती पर हाथ रखकर सोचना चाहिए। आमजन जाए तो कहां जाए, जनप्रतिनिधि भी कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। क्योंकि उन्हें तो सिर्फ वोट चाहिए, जनता चाहे भाड़ में जाए। वे तो चुनाव के समय भाषण देने आ जाएंगे।

आओं शहर चले अभियान 15 सितम्बर से, तैयारियों को लेकर ईओं ने ली बैठक

रतननगर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की ओर से आगामी 15 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक चलाये जाने वाले आओं शहर चले अभियान की तैयारियों को लेकर यहां बुधवार को रतननगर नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी भरत गौड़ ने पालिका के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधयों, मौजूदा पार्षद, स्वच्छता सैनानियों के साथ बैठक कर सम्बन्धितों को कार्य आवंटित कर अभियान में अभी से जुड जाने के निर्देश दियें। उन्होनें कहा कि नगरपालिका से सम्बन्धित सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए सभी को गंभीरता से और प्राथमिकता से कार्य करना है ताकि सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन को लाभान्वित किया जा सकें। उन्होनें बताया कि अभियान के दौरान बिजली-पानी एवं सफाई सहित विभिन्न समस्याओं का नियमानुसार समाधान किया जायेगा। उन्होनें ने सफाई निरीक्षक, जमादारों और स्वच्छता सैनानियों को निर्देश देते हुए कहा कि आगामी महिनों में दीपावली सहित विभिन्न तीज-त्योहार आयेंगे ऐसे में सफाई की व्यवस्था में किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं मिलें इस बात का विशेष ध्यान रखा जावें। उन्होनें बताया कि नगरपालिका में गुरूवार से तैयारी कैम्प प्रारम्भ किये जा रहे है जिनमें आमजन अपनी समस्याओं के बारे में लिखित में सूचना दे सकते है ताकि समय पर समस्याओं का समाधान किया जा सकें।

डीएमएफटी प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित खनन प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों पर हुई चर्चा

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की प्रबंधन समिति की बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में बजट घोषणाओं एवं अन्य प्रस्तावों पर चर्चा की गई तथा विगत वर्षों में स्वीकृत कार्यों की समीक्षा भी की गई। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि डीएमएफटी का उद्देश्य खनन प्रभावित और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित क्षेत्रों के जीवन स्तर को सुधारना है। इसके लिए पेयजल, पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास, स्वास्थ्य सेवाओं एवं आजीविका संवर्द्धन से जुड़े कार्य प्राथमिकता में लिए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि दो वर्ष से लंबित कार्यों के उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसीसी) एवं पूर्णता प्रमाण पत्र (सीसी) शीघ्र जारी किए जाएं। जिन कार्यों में भुगतान लंबित है उनकी समीक्षा

कर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में समिति द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, संपर्क मार्ग, स्वच्छता एवं आजीविका संवर्द्धन से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा की गई। जिला कलक्टर ने बजट घोषणाओं एवं जनहित से जुड़े उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों को आगामी गवर्निंग काउंसिल में रखने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यपालक एजेंसियों को निर्देशित किया गया कि स्वीकृत योजनाओं को समयबद्ध ढंग से प्रारंभ कर गुणवत्तापूर्वक पूरा किया जाए। बैठक में डीएमएफटी मद से संचालित विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति, व्यय प्रगति, निर्माणाधीन कार्यों की स्थिति एवं लाभार्थियों को मिलने वाले लाभ की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने कहा कि प्रत्येक योजना में पारदर्शिता और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। इससे खनन प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों का लाभ आमजन को समय पर मिल सकेगा। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राम प्रकाश सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान समारोह में एडवोकेट सुनील मेघवाल झारिया को मिला 'गाँधी सेवा रत्न अवार्ड-2025'

चूरू (रॉयल पत्रिका)। आदर्श समाज समिति इंडिया (रजि.), राष्ट्रीय साहित्यिक, सांस्कृतिक व सामाजिक संस्थान, सूरजगढ़, जिला झुंझुनूं (राजस्थान) द्वारा सूरजगढ के रानी बाग होटल में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में चूरू पंचायत समिति सदस्य व अधिवक्ता सुनील मेघवाल झारिया को 'गाँधी सेवा रत्न अवार्ड-2025' से नवाजा गया। साहित्य, शिक्षा,समाजसेवा और संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले देश के विभिन्न क्षेत्रों व प्रांतो से प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष धर्मपाल गांधी नें बताया की एडवोकेट सुनील मेघवाल को यह सम्मान उनके द्वारा किये जा रहे सामाजिक

सरोकारों के कार्य के प्रति समर्पण के लिए प्रदान किया गया तथा एडवोकेट सुनील मेघवाल काफी वर्षो से सामाजिक कार्यों मे अग्रणी रहते है तथा एक जागरूक जनप्रतिनिधि भी है। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से गणमान्य साहित्यकार, शिक्षाविद, कलाकारों की भागीदारी रही। एडवोकेट सुनील मेघवाल को राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर एड. सुरेश कल्ला, सद्दाम हुसैन, शोयल खान, मनोज शर्मा, रामकुमार मेहरा,सुरेन्द्र बागड़ी, चन्द्रभान मेहरा, बजरंग लाल, महेश कुमार, अमित, राकेश कड़ाईला, मंगतू राम, आदेश, सत्यैन्द्र, पंकज आदि ने खुशी व्यक्त की।

बारावफात एवं अनन्त चतुर्दशी पर्व के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 18 कार्यपालक मजिस्ट्रेट किए नियुक्त

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिले में बारावफात एवं अनन्त चतुर्दशी पर्व के अवसर पर 18 कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए। धार्मिक पर्वो के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाएं रखने के निर्देश दिए। जिला मजिस्ट्रेट एलएन मंत्री ने बताया कि जिले में 5 सितम्बर को बारावफात एवं 6 सितम्बर को अनन्त चतुर्दशी के पर्व का आयोजन किया जाएगा। पर्व के दौरान गणपति विसर्जन के तहत विभिन्न ग्रामों, कस्बों एवं जिला मुख्यालय पर पानी से भरे नाड़ी, तालाबों, जल कुण्ड, एनीकट, नदी इत्यादि जल भराव के स्थलों में गणपति प्रतिमाओं को प्रवाहित किया जाएगा। इसी दौरान मौके पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 18 कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए। सम्पूर्ण उपखण्ड क्षेत्र पाली के लिए उपखण्ड मजिस्ट्रेट पाली को कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया। इसी प्रकार पाली शहर के लिए तहसीलदार पाली, सम्पूर्ण उपखण्ड क्षेत्र रोहट के लिए एसडीएम रोहट, कस्बा रोहट के लिए तहसीलदार रोहट, सम्पूर्ण उपखण्ड क्षेत्र बाली के लिए एसडीएम बाली, फालना पुलिस थाना क्षेत्र के लिए तहसीलदार बाली, उप तहसील क्षेत्र बेडा के लिए नायब तहसीलदार बेड़ा, उप तहसील क्षेत्र नाणा के लिए नायब तहसीलदार नाणा, सम्पूर्ण उपखण्ड क्षेत्र सुमेरपुर के लिए एसडीएम सुमेरपुर, साण्डेराव पुलिस थाना क्षेत्र के लिए तहसीलदार सुमेरपुर, सम्पूर्ण उपखण्ड क्षेत्र देसूरी के लिए एसडीएम देसूरी, कस्बा सादड़ी, घाणेराव, नाडोल के लिए तहसीलदार देसूरी, सम्पूर्ण उपखण्ड क्षेत्र रानी के लिए एसडीएम रानी, खिंवाड़ा पुलिस नाना क्षेत्र के लिए तहसीलदार रानी, सम्पूर्ण उपखण्ड क्षेत्र सोजत के लिए एसडीएम सोजत, सोजत रोड़ व बगडी नगर पुलिस थाना क्षेत्र के लिए तहसीलदार सोजत, सम्पूर्ण उपखण्ड क्षेत्र मारवाड़ जंक्शन के लिए एसडीएम मारवाड़ जंक्शन एवं पुलिस थाना सिरियारी क्षेत्र एवं ग्राम आउवा के लिए तहसीलदार मारवाड़ जंक्शन को कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्ति किया गया। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट पाली अनन्त चतुर्दशी एवं बारावफात पर्व के दौरान मौके पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए सम्पूर्ण जिले की व्यवस्था के प्रभारी रहेंगे। नियुक्त कार्यपालक मजिस्ट्रेट पुलिस अधिकारियों के आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अपने नियुक्ति क्षेत्र में दोनों पर्वों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था आवश्यक रूप से सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने अनन्त चतुर्दशी पर्व पर गणपति विसर्जन को देखते हुए जल भराव के क्षेत्रों एवं विसर्जन स्थलों पर आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपेक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष दिया जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घरेलु बिजली उपभोक्ताओं को दी सौगात

-रजिस्टर्ड उपभोक्ताओं को अब मिलेगी 150 यूनिट प्रतिमाह नि:शुल्क बिजली

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमंडल एवं मंत्रिपरिषद् की बैठक में मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के लाभार्थियों को सौर ऊर्जा से जोड़कर 150 यूनिट निःशुल्क बिजली देने, प्रदेश के सभी नगरीय क्षेत्रों में सुव्यवस्थित सीवरेज सिस्टम बनाने के लिए सीवरेज एवं अपशिष्ट जल नीति-2016 में संशोधन, राजस्थान विधि विरूद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक-2025 लाने, राजसेस महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए शीघ्र भर्तिया करने सहित कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि राज्य सरकार ने प्रदेश के

बिजली उपभोक्ताओं को सस्ती एवं सुलभ सौर ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जादात्ता बनाने की दिशा में एक अनूठी पहल की है। प्रदेश में जल्द ही पीएम सूर्यघर 150 यूनिट निःशुल्क बिजली योजना लागू की जाएगी। घरेलू विद्त उपभोक्ताओं को ऊर्जादाता बनाने की दिशा में देश के किसी भी राज्य में अपनी तरह की यह महत्वाकांक्षी योजना हैं। गोदारा ने बताया कि इस निर्णय का लाभ 1 करोड़ 4 लाख घरेलू श्रेणी के रजिस्टर्ड उपभोक्ताओं को होगा और वे सौर ऊर्जा से जुड़कर प्रतिमाह 100 यूनिट के स्थान पर अब 150 यूनिट तक निःशुल्क बिजली का लाभ उठा पाएंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने वर्ष 2025-26 के बजट में मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के रजिस्टर्ड लाभार्थियों को और अधिक लाभ देने की मंशा के साथ पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को लीवरेज करते हुए रूफ टॉप सोलर पैनल लगाकर 150 यूनिट प्रतिमाह निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण घोषणा की थी। साथ ही, ऐसे परिवारों, जिनके घर में सोलर प्लांट लगाने के लिए पर्याप्त छत नहीं है, उनके लिए सामुदायिक सोलर संयंत्र लगाने की घोषणा भी बजट में की गई थी।

सभी सूचकांकों में सतत सुधार करने के लिए दिए आवश्यक निर्देश

-आशान्वित जिला कार्यक्रम एवं आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। नीति आयोग के आशान्वित जिला कार्यक्रम, आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम के संबंध में जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान नीति आयोग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि नीति आयोग के लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करें। उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिला कार्य कार्यक्रम लागू होने के बाद आकांक्षी जिलों में आमूल-चूल बदलाव आए हैं। आकांक्षी जिलों में भी सामान्य जिलों की भांति हर क्षेत्र में विकास और सुविधाओं का मूलभूत विस्तार हुआ है। मनरेगा के तहत वृक्षारोपण के कार्यों को भी प्राथमिकता दी जाये। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के मंशा के अनुरूप हर घर स्वच्छ जल पहुंचे, इस उद्देश्य से जल जीवन मिशन का सफल क्रियान्वयन किया जाये। उन्होंने संबंधित जिला स्तरीय

एवं आशान्वित ब्लॉक बसेड़ी के ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ आशान्वित जिला एवं ब्लॉक कार्यक्रम के विभिन्न क्षेत्रों के इंडिकेटर्स की प्रगति पर चर्चा की। जिला कलक्टर ने कम प्रगति वाले संकेतकों में आगामी माह में सुधार किए जाने हेतु भी संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया। उन्होंने सभी सूचकांकों में सतत सुधार हेतु निर्देशित किया। उन्होंने स्वच्छता, स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा के सूचकांकों की गहन एवं बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने प्रसव पूर्व जांच, आंगनबाड़ियों एवं विद्यालयों में पेयजल के साथ-साथ फंक्शनल टॉयलेट, संस्थागत प्रसव, रक्तचाप एवं मधुमेह की जांच, 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में पोषण स्तर इत्यादि पर विशेष बल दिया एवं सभी इंडिकेटर्स पर सतत सुधार हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये। विद्यालयों में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ, उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग धीरेन्द्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राशन दुकानों के लिए आवेदन की अन्तिम तिथी बढ़ाई

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला रसद अधिकारी द्वितीय क्षेत्राधिकार की रिक्त एवं नवसृजित कुल 83 उचित मूल्य दुकानों के लिए आवेदन पत्र कार्यालय जिला रसद अधिकारी से आवेदकों को उपलब्ध कराने की अंतिम तिथी 4 सितम्बर तक निर्धारित की गई थी। इसे बढ़ाकर आगामी 12 सितम्बर को सायं 6 बजे तक किया गया है। जिला रसद अधिकारी नीरज जैन ने बताया कि आवेदन पत्र जमा कराने की तिथी को भी बढ़ाकर 19 सितम्बर को सायं 6 बजे तक किया गया है। । जल संसाधन विभाग के अनुसार अजमेर में 894, बुढ़ा पुष्कर में 796, गोविन्दगढ़ में 428, पुष्कर में 709.5, नसीराबाद में 1067.5, पीसांगन में 478, मांगलियावास में 533, गेगल में 380.2, रूपनगढ़ में 685, किशनगढ़ में 672.3, श्रीनगर में 598.5, बान्दरसिन्दरी में 649, अरांई में 723, सरवाड़ तहसील में 749, सरवाड़ पुलिस थाना में 792, गोयला में 904, केकड़ी में 770, सावर में 789 तथा भिनाय में 703 मिली मीटर पानी बरसा है।

शाहिद ने पूरी की अपकमिंग फिल्म की शूटिंग

अहम किरदार में होंगी तृप्ति डिमरी

अभिनेता शाहिद कपूर के फैंस के लिए अच्छी खबर है। उन्होंने विशाल भारद्वाज के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। हालांकि इस फिल्म का क्या नाम होगा, इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है। शाहिद कपूर ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी है। पोस्ट में उन्होंने बताया है कि इस फिल्म में कौन-कौन से कलाकार होंगे। शाहिद कपूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर विशाल भारद्वाज के साथ एक तस्वीर शेयर की है। तस्वीर में देखा जा सकता है कि विशाल भारद्वाज शाहिद कपूर को कुछ समझाते हुए नजर आ रहे हैं। शाहिद कपूर ने इस तस्वीर के साथ एक नोट लिखा है। नोट में उन्होंने बताया है कि इस फिल्म के टाइटल का जल्द ही एलान किया जाएगा। शाहिद कपूर ने पोस्ट में बताया है कि इसमें तृप्ति डिमरी अहम किरदार में होंगी। इसके अलावा दिशा पाटनी, नाना पाटेकर, फरीदा जलाल और अविनाश तिवारी भी फिल्म में नजर आएंगे। शाहिद कपूर ने पोस्ट में लिखा मैं यह बताते हुए बहुत उत्साहित हूं कि विशाल भारद्वाज के साथ मेरी चौथी फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई। नाम जल्द बताया जाएगा। हमेशा की तरह यह मेरे लिए एक नई दुनिया और एक बेहद अलग किरदार है। यह मेरे लिए बहुत खास है। शाहिद कपूर ने पोस्ट में लिखा तृप्ति डिमरी के साथ काम करके बहुत मजा आया। नाना पाटेकर ने जटिल सीन को आसान किया। फरीदा जलाल आपकी शालीनता के लिए शुक्रिया। अविनाश तिवारी आपकी प्लेलिस्ट के लिए शुक्रिया। दिशा पाटनी आपने और मैंने दोनों गानों में कमाल कर दिया।

भोजपुरी सिनेमा की स्टार अक्षरा सिंह की खूबसूरत साड़ी लुक ने जीता फैंस का दिल

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री अक्षरा सिंह अपने सोशल मीडिया पोस्ट से प्रशंसकों के बीच काफी चर्चाओं में रहती हैं। इसी बीच उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह भारतीय परिधान में नजर आ रही हैं। अक्षरा ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें वह बेहद खूबसूरत और आकर्षक दिख रही हैं। तस्वीरों में उन्होंने क्रीम रंग की साड़ी पहनी है, जिसके साथ उन्होंने पीले रंग का ब्लाउज पेयर किया है। इस ट्रेडिशनल लुक को खास बनाने के लिए अक्षरा ने मिनिमल मेकअप किया है। उनके चेहरे पर हल्का मेकअप और सादगी भरी मुस्कान उनकी सुंदरता को और निखार रही है। इसके साथ ही उन्होंने अपने बालों को साधारण पोनीटेल स्टाइल में बांधा है, जो उनके पारंपरिक अंदाज को और भी खूबसूरत बना रहा है। इन तस्वीरों को साझा करते हुए अक्षरा ने कैप्शन में लिखा, गणपति बप्पा मोरया। अक्षरा सिंह का ये सिंपल लेकिन शानदार लुक उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है। फैंस उनके पोस्ट पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ब्यूटीफुल, तो दूसरे यूजर ने उनके ट्रेडिशनल लुक को परफेक्ट बताया। अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो न केवल अपनी एक्टिंग बल्कि अपने स्टाइल और सोशल मीडिया उपस्थिति से भी लोगों का ध्यान खींचती हैं।

फिल्म जी ले जरा से प्रियंका और कटरीना का कटा पत्ता !

एक्टर-डायरेक्टर फरहान अख्तर ने अपनी फिल्म जी ले जरा को लेकर अपडेट दिया है। बताया कि उन्होंने लोकेशन तलाशने और गाने रेकॉर्ड करने का काम पूरा कर लिया है, लेकिन फिल्म के कलाकारों प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट और कटरीना कैफ के बारे में कोई नहीं की। मालूम हो कि इस फिल्म का ऐलान किए हुए लंबा वक्त बीत चुका है।

बॉलीवुड एक्टर और फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने अपनी फिल्म जी ले जरा को लेकर एक अपडेट दिया है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट और कटरीना कैफ लीड रोल में हैं। इसका ऐलान साल 2021 में कर दिया गया था, लेकिन लंबे समय बाद भी तीनों हीरोइनों ने अभी तक शूटिंग शुरू नहीं की है। इसमें काफी देरी हो चुकी है पर अब फरहान ने लेटेस्ट अपडेट दिया है। उन्होंने कहा कि फिल्म जरूर बनेगी और ये ठंडे बस्ते में नहीं जाएगी। पहले अफवाह थी कि शेड्यूलिंग की प्रॉब्लम के कारण जी ले जरा को बंद कर दिया गया है। पर फरहान ने कहा, मुझे ये कहना बिल्कुल पसंद नहीं आएगा कि इसे बंद कर दिया गया है। मैं बस इतना कहूंगा कि इसे बैक बर्नर पर डाल दिया है। मुझे नहीं पता कि ये कब बनेगी। लेकिन इसकी स्क्रिप्ट बहुत ही शानदार है और इस पर पहले ही बहुत काम हो चुका है।

लोकेशन की तलाश पूरी, म्यूजिक रेकॉर्ड, पर कास्ट...! फरहान ने आगे हिंट दिया कि ऑरिजनल कलाकारों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने फिल्म के लिए सभी लोकेशन की तलाश पूरी कर ली है। म्यूजिक रेकॉर्ड कर लिया है। इसलिए ये बस समय की बात है कि हम वापस आकर इसे फिर से करें। मैं अब कास्ट पर कोई कॉमेंट नहीं कर सकता, जैसे कि वे क्या होंगे और कब आएंगे। लेकिन क्या फिल्म बनेगी? हां, बनेगी।

फरहान के पास है डॉन 3

फरहान ने दिल चाहता है की 20वीं एनिवर्सिरी पर जी ले जरा का ऐलान किया था। इस फिल्म से फरहान डायरेक्शन में एक बार फिर कमबैक करते। पर 2023 में उन्होंने डॉन 3 का ऐलान किया, जिसमें रणवीर सिंह लीड रोल में हैं। आलिया की बात करें तो उनके पास अल्फा और लव एंड वॉर है। प्रियंका की बात करें तो उनके पास फिल्मों की लाइन लगी हुई है। वो द ब्लफ, जजमेंट डे, एसएसएमबी 29 और कृष 4 में नजर आएंगी। कटरीना कैफ 2024 में मैरी क्रिसमस में नजर आई थीं।

धनुष से बेहतर कलाम जी को कोई नहीं निभा सकता

साउथ एक्टर धनुष ही फिल्म कलामः जल्द द मिसाइल मैन ऑफ इंडिया में पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक ओम राउत का मानना है कि धनुष से बेहतर इस किरदार को कोई और नहीं निभा सकता है। निर्देशक ओम राउत ने कहा... धनुष एक बेहतरीन एक्टर हैं। मुझे खुशी है कि उन्होंने यह भूमिका निभाने के लिए हामी भरी है। मैं व्यक्तिगत रूप से उन्हें बहुत मानता हूं और इस फिल्म में उनके साथ काम करने को लेकर उनसे बेहतर इस फिल्म और इस उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि किरदार को और कोई नहीं निभा सकता। राउत ने कहा कि उन्हें बायोपिक बनाना अच्छा लगता है, लेकिन यह आसान काम नहीं है। फिल्म में क्या दिखाना है और क्या नहीं दिखाना है यह तय करना बहुत जरूरी होता है। कई बार ऐसा होता है कि जो बातें आप दिखाते हैं, वे अच्छी होती हैं। लेकिन जो छूट जाती हैं, वे और भी खास होती हैं।

कृति बनीं यूएनएफपीए की

ब्रांड एंबेसडर

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। वो संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की ब्रांड एंबेसडर बनाई गई हैं। यह संयुक्त राष्ट्र संघ की एक संस्था है जिसका कार्य महिला, पुरुष और बच्चों के अधिकार, स्वास्थ्य और समान अवसर के साथ सुखी जीवन को बढ़ावा देना है। ब्रांड एंबेसडर बनने के बाद उन्होंने अपनी भूमिका के बारे में बात की और बताया कि कैसे अपने करियर की शुरुआत में उन्हें लैंगिक असमानता का सामना करना पड़ा। कृति सेनन ने बॉलीवुड में वेतन असमानता के बारे में भी बात की। सेनन ने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। ये बहुत बड़ा सम्मान है और उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी। मैं इसके लिए बहुत उत्सुक हूं, क्योंकि मुझे हमेशा से ये लगता था कि मैं कुछ ऐसा बदलाव ला सकूं जो मेरे दिल के करीब हो। मेरा मानना है कि लैंगिक असमानता बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। ये बहुत बड़ा मुद्दा है, फिर चाहे बात जेंडर बेस्ड वायलेंस की हो या गर्ल चाइल्ड एजुकेशन की हो। मुझे खुशी है कि मैं यूएनएफपीए के साथ मिलकर ऐसे लोगों के लिए अब कुछ कर पाऊंगी, उनका साथ दे पाऊंगी। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं अपने देश का वैश्विक स्तर पर प्रतिनिधित्व करना चाहती थी, अपनी आवाज के जरिए ऐसे मुद्दों को उठाना चाहती थी, जिससे लोगों के जीवन खुशहाल बन सकें।

8 साल की जर्नी में धैर्य ही मेरा सबसे बड़ा शिक्षक रहा

व्योम और साची बिंद्रा की मुख्य भूमिकाओं से सजी क्यूरियस आईज़ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्म मन्नू क्या करेगा? अपने गीत-संगीत से दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर रही है। फिल्म के ट्रेलर और संगीत को दर्शकों का अपार प्यार मिला है और इसके साथ ही जो बात सबसे अधिक प्रभावित करती है, वह है व्योम और साची बिंद्रा की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री। उनकी नई और ताज़गी भरी जोड़ी ने युवाओं के दिलों को छू लिया है। अपने किरदार की तैयारी पर बात करते हुए, डेब्यू कर रही अभिनेत्री साची बिंद्रा ने इस पर कहा, चुनौतियाँ तो शुरुआत से ही थीं लेकिन इस मुकाम तक पहुँचने में बहुत कुछ लगा है। अराम नगर की लाइनों में खड़े होने से लेकर शॉर्टलिस्ट होने तक लगभग 8-9 साल हो गए मुझे ऑडिशन देते हुए। रिजेक्ट होने से लेकर रिप्लेस किए जाने तक, मैंने सब कुछ देखा है। इस पूरी जर्नी ने मुझे सबसे बड़ी चीज़ सिखाई वो है धैर्य। इसमें दो राय नहीं कि साची बिंद्रा के लिए मन्नू क्या करेगा? में डेब्यू करना धैर्य और विश्वास से बनाई गई वर्षों की मेहनत का नतीजा है। फिल्म में विनय पाठक, कुमुद मिश्रा, राजेश कुमार और चारु शंकर भी अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे। यह फिल्म 2025 में भारत के रोमांटिक म्यूज़िकल जॉनर को नया आयाम देने की ओर बढ़ रही है।

ड्रामा नहीं, अनुशासन से

छोरियाँ चली गाँव में दिल और चुनौतियाँ जीत रही हैं कृष्णा श्रॉफ

फिटनेस आइकन और एंटरप्रेन्योर कृष्णा श्रॉफ छोरियाँ चली गाँव में शक्ति और शालीनता दोनों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के अर्थ को नए सिरे से परिभाषित कर रही हैं। यह शो जहां शारीरिक कौशल, मानसिक रणनीति और भावनात्मक मजबूती की परीक्षा लेता है, वहीं कृष्णा अपनी खासियत से सबका ध्यान खींच रही हैं – गहरी दोस्ती और फोकस प्रतिस्पर्धी भावना के बीच संतुलन बनाने की अपनी दुर्लभ क्षमता के लिए उभर कर सामने आई हैं। एरिका पैकार्ड के साथ उनका दोस्ती का रिश्ता बेहद मजबूत है, जबकि सुमुखी सुरेश (जिन्होंने निजी कारणों से शो छोड़ दिया) के साथ उनकी आपसी समझ और सम्मान, उनके स्वाभाविक जुड़ाव को दर्शाते हैं। फिर भी, कृष्णा ने इन संबंधों को कभी अपने फ़ैसलों या जीत के इरादे पर हावी नहीं होने देतीं। वह स्पष्ट सोच वाली हैं और पूरी तरह समर्पित, यह साबित करते हुए कि मजबूत रिश्ते और शानदार खेल दोनों एक साथ संभव हैं। वह जीत के लिए पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन अपनी ईमानदारी से समझौता किए बिना। अपनों से आगे बढ़कर कृष्णा ने हर किसी के साथ सार्थक रिश्ते बनाए हैं। अंजुम फ़कीह को वह बड़ी बहन कहती हैं और हाल ही में बाहर हुई रमीत संधू के साथ भी उनके पल बेहद सच्चे और दिल से जुड़े रहे। कृष्णा एक ऐसी गर्मजोशी और समावेशिता लाती हैं जिसे नज़रअंदाज़ करना मुश्किल है। चाहे टीम टास्क हो या व्यक्तिगत चुनौती, कृष्णा दूसरों को आगे बढ़ने का मौका देती हैं, बिना किसी को अलग-थलग महसूस कराए या प्रतियोगिता को निजी बनाएं बिना। यही समावेशी और संतुलित दृष्टिकोण है, जो उन्हें प्रतिद्वंद्वियों के बीच भी शांत प्रशंसा दिलाई है। तेज़-तर्रार माहौल के बावजूद, कृष्णा अपने व्यवहार में लगातार सम्मानजनक और जमीन से जुड़ी हुई रहती हैं – चाहे वह अनिता हसनंदानी के साथ हो, डबल धमाल सिस्टर्स सुरभि-समृद्धि की जोड़ी के साथ, या फिर डॉली जावेद और वाइल्ड कार्ड एंट्री माएरा मिश्रा के साथ। एक ऐसा शो जिसमें अक्सर ड्रामा देखने को मिलती है, वहां कृष्णा स्पष्ट सोच और चरित्र की मिसाल बनकर उभरती हैं। दोस्ती और निष्पक्ष प्रतिद्वंद्विता, दोनों के लिए जगह बनाए रखने की उनकी क्षमता दुर्लभ है और कृष्णा इसे बिना किसी का सम्मान घटाए बखूबी निभा रही हैं। भले ही वह अपनी शारीरिक ताकत के लिए पहचानी जाती हों, लेकिन 'छोरियां चली गांव' में उनकी असली चमक उनके दबाव में भी उनका शालीन व्यवहार ही सबका ध्यान खींच रहा है।

काफा नेशंस कप, भारत को झटका:

डिफेंडर झिंगन चोट के कारण काफा नेशंस कप के बाकी मैचों से बाहर

हिसोर (ताजिकिस्तान), एजेंसी। भारत इस समय चार टीमों के ग्रुप में दूसरे स्थान पर है जिसने मेजबान ताजिकिस्तान को हराया था। इसके बाद एशियाई दिग्गज और दुनिया की 20वें नंबर की टीम ईरान से हार गया। भारत के स्टार डिफेंडर संदेश झिंगन ईरान से 0-3 से मिली हार के दौरान लगी चोट के कारण काफा नेशंस कप के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। 32 वर्ष के झिंगन को लगी चोट भारत के लिए करारा झटका है जिसे गुरुवार को ग्रुप बी के तीसरे और आखिरी मैच में अफगानिस्तान से खेलना है। भारत इस समय चार टीमों के ग्रुप में दूसरे स्थान पर है जिसने मेजबान ताजिकिस्तान को हराया था। इसके बाद एशियाई दिग्गज और दुनिया की 20वें नंबर की टीम ईरान से हार गया। ईरान छह अंक लेकर शीर्ष पर है। भारत की आगे बढने की उम्मीदें अफगानिस्तान के खिलाफ मैच पर टिकी हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने एक्स पर लिखा, डिफेंडर संदेश झिंगन को ईरान के खिलाफ भारत के काफा नेशंस कप 2025 मैच के दौरान चोट लगी थी। वह भारत लौट जाएंगे।

ODI ऑलराउंडर, अफगानिस्तान के प्लेयर की बादशाहत खत्म

39 साल के सिकंदर रजा बने दुनिया के नंबर-1

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने बुधवार को अपनी ताजा रैंकिंग जारी की, इसमें ओडीआई ऑलराउंडर रैंकिंग में एक बड़ा बदलाव हुआ. अफगानिस्तान के प्लेयर अज़मतुल्लाह उमरज़ई पहले स्थान से खिसककर दूसरे नंबर पर आ गए हैं. उनकी जगह ली है जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा ने, जो 302 रेटिंग के साथ ओडीआई में दुनिया के नए नंबर-1 ऑलराउंडर बन गए हैं. 39 वर्षीय सिकंदर रजा ने पिछले हफ्ते श्रीलंका के खिलाफ 2 वनडे मैचों में शानदार बल्लेबाजी की थी. उन्होंने 29 अगस्त को खेले गए मुकाबले में 92 रनों की शानदार पारी खेली थी. हालांकि बावजूद इसके जिम्बाब्वे जीत नहीं सकी थी, लेकिन टीम जीत के बेहद करीब पहुंच गई थी. 299 का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे लक्ष्य से सिर्फ 8 रन दूर रह गई थी. इसके बाद 31 अगस्त को हुए मुकाबले में रजा ने नाबाद 59 रन बनाए थे, इसमें भी श्रीलंका आसानी से जीत नहीं मिली थी.

अज़मतुल्लाह उमरज़ई की बादशाहत खत्म

सिकंदर रजा ओडीआई ऑलराउंडर रैंकिंग में पहले तीसरे स्थान पर थे, लेकिन इन दो पारियों ने उन्हें टॉप पर पहुंचा दिया है. उन्होंने अफगानिस्तान के ऑलराउंडर प्लेयर अज़मतुल्लाह उमरज़ई का ताज छीना, जो अब दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं.

ICC वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में टॉप-5 बल्लेबाज

सिकंदर रजा (जिम्बाब्वे) - 302 रेटिंग

अज़मतुल्लाह उमरज़ई (अफगानिस्तान) - 296 रेटिंग

मोहम्मद नबी (अफगानिस्तान) - 292 रेटिंग

मेहदी हसन मिराज (बांग्लादेश) - 249 रेटिंग

माइकल ब्रेसवेल (न्यूजीलैंड) - 246 रेटिंग

टेस्ट और टी20 में भारत की बादशाहत बरकरार

टेस्ट फॉर्मेट में दुनिया के नंबर-1 ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ही हैं, इस लिस्ट के टॉप-10 में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है. जबकि हार्दिक पांड्या दुनिया के नंबर टी20 ऑलराउंडर हैं. उनके 252 रेटिंग पॉइंट्स हैं. हालांकि अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी को एक अंक का फायदा हुआ है, वह अब टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं और नेपाल के दीपेंद्र सिंह तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं.

तीनों फॉर्मेट में दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज

इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रुट 908 रेटिंग के साथ आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में पहले नंबर पर हैं. ओडीआई रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज भारत के शुभमन गिल हैं, जिनके 784 रेटिंग हैं. टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा हैं.

पांच साल की उम्र में फिडे रेटिंग, शतरंज के तीनों प्रारूपों में दिल्ली की बेटी ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। आरिनी शतरंज के तीनों प्रारूपों क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज में फिडे रेटिंग हासिल करने वाली दुनिया की सबसे युवा बेटी बन गई हैं। डी गुकेश, प्रगनानंदा और दिव्या देशमुख के बाद अब पांच साल की बेटी दिल्ली की आरिनी लाहोटी ने शतरंज की दुनिया में भारत का डंका बजा दिया है। आरिनी शतरंज के तीनों प्रारूपों क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज में फिडे रेटिंग हासिल करने वाली दुनिया की सबसे युवा बेटी बन गई हैं। क्लासिकल में आरिनी की रेटिंग 1553, रैपिड में 1550 और ब्लिट्ज में 1498 है। दरअसल उनके आयुवर्ग में कई खिलाड़ी रैपिड वर्ग में रेटिंग हासिल कर चुके हैं, लेकिन तीनों प्रारूपों में वह रेटिंग हासिल करने वालीं पहली खिलाड़ी हैं। आरिनी पिछले माह ही अपने आयुवर्ग में भारत की सबसे श्रेष्ठ रेटिंग वाली खिलाड़ी बन गई थीं। रविवार को फिडे ने आधिकारिक रेटिंग जारी की है। 19 सितंबर, 2019 को जन्मीं आरिनी के बारे में निजी स्कूल में शिक्षक उनके पिता सुरेंद्र लाहोटी ने कहा कि जन्मदिन से पहले ही बेटी ने बड़ी खुशी दे दी है। उन्होंने बताया कि घर पर ही बेटी की तैयारी कराते हैं। हम उसी टाइम कंट्रोल के साथ उसकी ट्रेनिंग कराते हैं, जो टूर्नामेंट में होता है।

पिता से सीखा मोहरों से खेलना: दिल्ली में एक शतरंज अकादमी चलाने वाले सुरेंद्र बताते हैं कि उनकी बेटी ने एक वर्ष की उम्र में ही शतरंज को बारीकी से देखना शुरू कर दिया। लॉकडाउन के दौरान वह मुझे ऑनलाइन ट्रेनिंग देते समय लगातार देखती थी और जल्द ही उसने अपने तौर पर सही मोहरे चलना सीख लिया। शिक्षक सुरेंद्र का सपना है कि उनकी बेटी सबसे युवा इंटरनेशनल मास्टर और सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बने और पूरे देश को उस पर गर्व हो।

उनके लिए प्रार्थना कर रहा हूं, जिन्हें हमने खो दिया, बेंगलुरु भगदड़ पर विराट कोहली

बेंगलुरु, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इसी साल 3 जून को पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब अपने नाम किया। अगले दिन विक्ट्री परेड का आयोजन था, लेकिन फैंस के बीच मची भगदड़ में 11 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। इस मामले पर आरसीबी के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली का बयान सामने आया है। विराट कोहली के बयान को आरसीबी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट किया है, जिसमें कोहली ने कहा, जिंदगी में कुछ भी आपको 4 जून जैसे दिल टूटने के लिए तैयार नहीं करता। जो हमारी फ्रेंचाइजी के इतिहास का सबसे खुशी का पल होना चाहिए था, वह एक दुखद घटना में बदल गया।

उन्होंने कहा, मैं उन लोगों के परिवारों के बारे में सोच रहा हूं और उनके लिए प्रार्थना कर रहा हूं, जिन्हें हमने खो दिया। उन फैंस के बारे में सोच रहा हूं, जो घायल हुए। आपका नुकसान अब हमारी कहानी का हिस्सा है। हम साथ मिलकर सम्मान और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे। इस हादसे में 11 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी, जबकि 33 लोग घायल हुए थे। फ्रेंचाइजी भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों को आरसीबी केयर्स के जरिए 25 लाख रुपए देने का ऐलान कर चुकी है। मामले को लेकर न्यायिक जांच के आदेश दिए गए थे। घटना के बाद से अब तक बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला गया है। महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 के कुछ मुकाबले यहां खेले जाने थे, लेकिन अब उन्हें मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकेडमी में कराने का फैसला लिया गया है।

आज से शुरू होगा सेमीफाइनल इन खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

बेंगलुरु, एजेंसी। श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल और शार्दुल ठाकुर गुरुवार से यहां शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में पश्चिम क्षेत्र की तरफ से मध्य क्षेत्र के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करके भारतीय टीम में वापसी करने के लिए अपना मजबूत दावा पेश करने की कोशिश करेंगे।

अय्यर को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया लेकिन वह यहां सत्र की शानदार शुरुआत करके वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला तथा उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले खुद को दावेदारी में बनाए रखना चाहेंगे। अय्यर ने इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स के लिए 17 मैचों में 50.33 की औसत और 175 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए, लेकिन इसके बावजूद वह एशिया कप के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पाए। उनके अच्छे प्रदर्शन का फायदा पश्चिम क्षेत्र को भी मिलेगा। जहां तक जायसवाल का सवाल है तो बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर दी है लेकिन सीमित ओवरों की क्रिकेट में वह राष्ट्रीय चयन समिति की पहली की पसंद नहीं हैं। वह वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले लाल गेंद की क्रिकेट में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहेंगे। जायसवाल का आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट था और उन्हें अगला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला तक इंतजार करना पड़ सकता है।

दूसरी ओर ठाकुर पश्चिम क्षेत्र की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और इसलिए चयनकर्ताओं की नजरों में बने रहने के लिए वह अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की कोशिश करेंगे। पश्चिम क्षेत्र की टीम के अन्य प्रमुख सदस्य जैसे रुतुराज गायकवाड़ और तनुश कोटियन अभी अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय चयन समिति का ध्यान खींचना चाहेंगे। जहां तक मध्य क्षेत्र का सवाल है तो ध्रुव जुरेल अगर कमर की चोट से उबर जाते हैं तो वह टीम की कमान संभाल सकते हैं।

झयह भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाया था। जुरेल के बिना भी उनकी बल्लेबाजी दमदार रही, क्योंकि कार्यवाहक कप्तान रजत पाटीदार, दानिश मालेवार और शुभम शर्मा ने बड़े शतक जड़े। उनके पास बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे तथा तेज गेंदबाज खलील अहमद और दीपक चाहर के रूप में मजबूत गेंदबाजी इकाई भी है। एक अन्य सेमीफाइनल में उत्तर क्षेत्र का मुकाबला दक्षिण क्षेत्र से होगा। दक्षिण क्षेत्र के कप्तान तिलक वर्मा एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल है और इसलिए इस मैच में नहीं खेल पाएंगे।

इसके अलावा दक्षिण क्षेत्र को तेज गेंदबाज वैसाख विजयकुमार और बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर की भी कमी खलेगी जो चोटिल हैं। इसलिए दक्षिण क्षेत्र को उत्तर क्षेत्र की चुनौती से निपटने के लिए एन जगदीशन, देवदत्त पडिक्कल और सलमान निजार जैसे खिलाड़ियों से अच्छे स्कोर की आवश्यकता होगी। उत्तर क्षेत्र को तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा की कमी खलेगी जो एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं। उत्तर क्षेत्र की बल्लेबाजी का दारोमदार आयुष बडोनी और कप्तान अंकित कुमार पर रहेगा।

पाकिस्तान की टीम एक मजाक है...

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात में खेली जा रही टी20 ट्राई सीरीज में पाकिस्तान से अपनी पिछली हार बदला ले लिया. इस सीरीज के चौथे मुकाबले में अफगानिस्तान ने अपने पड़ोसी देश को 18 रनों से हरा दिया. इससे पहले उसने यूएई को हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की थी. पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अफगानिस्तान ने शानदार प्रदर्शन किया. इस दौरान उनके स्पिनर्स के आगे पाकिस्तान के बल्लेबाज टिक नहीं पाए. अफगानिस्तान से हार के बाद सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का खूब मजाक उड़ रहा है. एशिया कप से पहले यूएई टी-20 ट्राई सीरीज में पाकिस्तान को पहली हार का सामना करना पड़ा है. अफगानिस्तान के खिलाफ पाकिस्तान की बल्लेबाजी पूरी तरह से फ्लॉप हो गई. पाकिस्तान की ओर से तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने सबसे ज्यादा रन बनाए. इस दौरान सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का खूब मजाक उड़ रहा है. एक फैंस ने लिखा, शोएब अख्तर की बात तो आपको साफ याद होगी, वो बिल्कुल सही थे. ये शारजाह की पिच थी, लेकिन जब उन्हें दुबई की पिच पर खेलना होगा, तो याद रखना, वो 130 रन भी नहीं बना पाएंगे.

दूसरे क्रिकेट फैंस ने लिखा कि अफगानिस्तान के खिलाफ दसवें नंबर के बल्लेबाज हारिस रऊफ 212.50 के स्ट्राइक रेट के साथ पाकिस्तान के शीर्ष स्ट्राइकर रहे. बाबर आजम, पाकिस्तान के सबसे ज्यादा टी 20 रन बनाने वाले बल्लेबाज होने के बावजूद अपने पूरे टी 20 करियर में कभी भी यह उपलब्धि हासिल नहीं कर पाए.

ध्रुव जुरेल को हुआ डेंगू, बड़े घरेलू टूर्नामेंट से हुए बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य क्षेत्र के कप्तान बनाए गए ध्रुव जुरेल डेंगू से पीड़ित होने के कारण दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में नहीं खेल पाएंगे। मध्य क्षेत्र के ध्रुव जुरेल 4 सितंबर से पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले का हिस्सा नहीं होंगे। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले टीम के कप्तान बनाए गए इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कमर में दर्द के कारण क्वार्टर फाइनल में हिस्सा नहीं लिया था। अब जुरेल के बीमारी के कारण लंबे समय तक मैदान से बाहर रहने की उम्मीद है।

मध्य क्षेत्र के मुख्य कोच उस्मान गनी ने दावा किया है कि जुरेल डेंगू से पीड़ित हैं और इसलिए दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उन्होंने बताया कि अक्षय वाडकर को विकेटकीपर-बल्लेबाज की जगह टीम में शामिल किया गया है। जुरेल की अनुपस्थिति में रजत पाटीदार ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में सेंट्रल जोन की कप्तानी की। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि जुरेल अपनी कमर की चोट के कारण सेमीफाइनल से बाहर रहेंगे। हालांकि, ऐसा नहीं है। विदर्भ और सेंट्रल जोन के मुख्य कोच उस्मान गनी ने कहा, हां, वाडकर को सेंट्रल ज़ोन टीम में शामिल किया गया है क्योंकि जुरेल डेंगू से पीड़ित हैं। वह अगले मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं और हमें टीम में एक और विकेटकीपर की जरूरत थी। जुरेल आखिरी बार भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में नजर आए थे, जहां उन्होंने चोटिल ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में विकेटकीपिंग की थी। जुरेल के अलावा, कुलदीप यादव ने भी टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है क्योंकि वह एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम के साथ दुबई जाएंगे।

मध्य क्षेत्र की अपडेटिड टीम : रजत पाटीदार (कप्तान), अक्षय वाडकर, आर्यन जुयाल, दानिश मालेवार, संजीत देसाई, यश ठाकुर, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभम शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सुथार, खलील अहमद

स्टैंडबायः माधव कौशिक, युवराज चौधरी, महिपाल लोमरोर, कुलदीप सेन, उपेंद्र यादव

यूएस ओपनः

पहली बार ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में युकी भांबरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत के युकी भांबरी न्यूजीलैंड के जोड़ीदार माइकल वीनस के साथ यूएस ओपन के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। भांबरी-वीनस की जोड़ी ने जर्मनी के केविन क्रावित्ज-टिम पुएत्ज की जोड़ी को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से शिकस्त दी। यह इंडो-न्यूजीलैंड जोड़ी अब 41 वर्षीय अमेरिकी राजीव राम और उनके जोड़ीदार निकोला मेक्टिक की 11वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से भिड़ेगी। निकोला क्रोएशिया से हैं। भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले पुरुष डबल्स टेनिस खिलाड़ी भांबरी ने करियर में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। वह वर्तमान में वर्ल्ड नंबर 32 हैं। पिछले साल भांबरी ने फ्रांस के टेनिस खिलाड़ी अल्बानो ओलिवेटी के साथ यूएस ओपन खेला था। वह प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। उस मुकाबले में यह जोड़ी स्पेन के मार्सेल ग्रानोलेर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबालोस से सीधे सेटों में हार गई थी। इससे पहले, भांबरी और वीनस ने कोलंबिया के गोंजालो एस्कोबार और मैक्सिको के मिगेल एंजेल रेयेस-वरेला की जोड़ी को 6-1, 7-5 से शिकस्त देकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था।

इंग्लैंड दौरा कभी नहीं भूल सकता: प्रसिद्ध कृष्णा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज को 2-2 से ड्रॉ कराया था। शुभमन गिल की कप्तानी वाली युवा टीम के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि थी। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा का इसमें अहम योगदान रहा था। प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा है कि एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारत का 2-2 से रोमांचक ड्रॉ उनके करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक के रूप में उनकी यादों में हमेशा के लिए अंकित रहेगा। 29 वर्षीय कृष्णा ने द ओवल में खेले गए पांचवें और निर्णायक टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था और कुल 8 विकेट लेते हुए भारत की जीत में बड़ी भूमिका निभाई थी। बात करते हुए कृष्णा ने कहा, शारीरिक रूप से दौरे ने मुझे थका दिया था। इंग्लैंड सीरीज के बाद मैंने दस दिन का ब्रेक लिया था।

ब्रेक के दौरान भी मुझे शरीर में दर्द महसूस हो रहा था। द ओवल टेस्ट का पांचवां दिन याद करते हुए कृष्णा ने कहा, पहली गेंद, मैंने पहले ही तय कर लिया था, बाउंसर होने वाली थी। वह गेंद चौके के लिए गई, लेकिन इससे मुझे यह समझने में भी मदद मिली कि पिच पर क्या हो रहा है। दूसरी गेंद अंदरूनी किनारे से लगी। पहली दो गेंदों पर आठ रन आने के बावजूद, मैं काफी संयमित था। मुझे पता था कि मुझे एक निश्चित क्षेत्र में, एक निश्चित लंबाई पर गेंद फेंकनी होगी, और गेंद को ही अपना काम करने देना होगा। कृष्णा ने दूसरे छोर से दबाव बनाने के लिए मोहम्मद सिराज को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि पहले कुछ ओवरों में मुझसे ज्यादा सिराज की गेंद स्विंग कर रही

सैन्य शक्ति का प्रदर्शन : चीन का कायाकल्प निर्बाध जारी है : राष्ट्रपति शी चिनफिंग

» बीजिंग, भाषा।

चीन ने हाइपरसोनिक, लेजर और लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों सहित अपने कुछ अत्याधुनिक नए हथियारों का बुधवार को पहली बार सैन्य प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा कि उनके देश का कायाकल्प निर्बाध जारी रहेगा। द्वितीय विश्व युद्ध में जापानी आक्रमण के विरुद्ध चीन की जीत की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित एक भव्य परेड को संबोधित करते हुए शी ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) से राष्ट्रीय पुनरुद्धार के लिए रणनीतिक समर्थन प्रदान करने तथा विश्व शांति एवं विकास में अधिक योगदान देने का आह्वान किया। चीनी सेना ने पहली बार परेड में अपने कुछ सबसे उन्नत सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन किया, जो विश्व, विशेषकर अमेरिका के समक्ष शक्ति प्रदर्शन था। पीएलए की उच्च कमान केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के प्रमुख शी ने चीनी सेना से खुद को विश्व स्तरीय सुरक्षा बल बनाने और राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता एवं क्षेत्रीय अखंडता की दृढ़ता से रक्षा करने को कहा। अमेरिका के बाद चीन दूसरा सबसे बड़ा रक्षा बजट वाला देश है। इस साल इसका वार्षिक रक्षा बजट 250 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

सैन्य साजो-सामान के अलावा परेड में चीन की कूटनीतिक शक्ति का भी प्रदर्शन हुआ, क्योंकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन सहित 26 विदेशी नेताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। भारत के पड़ोसी देशों से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने परेड में भाग लिया। सूत्रों के अनुसार, चीन में भारत के राजदूत प्रदीप कुमार रावत इस कार्यक्रम में शामिल हुए। जापान और दक्षिण कोरिया के अलावा अमेरिका और यूरोपीय संघ के प्रमुखों ने भी परेड से दूरी बनाए रखी है। परेड में विदेशी नेताओं की उपस्थिति, जापान और चीन के बीच कूटनीतिक विवाद का विषय बन गई है, क्योंकि तोक्यो ने विश्व नेताओं से इसमें भाग न लेने का आग्रह किया था। चीन ने विश्व नेताओं से इस कार्यक्रम में शामिल न होने के अनुरोध को लेकर जापान के समक्ष कूटनीतिक विरोध दर्ज कराया है। अपने भाषण में शी चिनफिंग ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध में जापान के खिलाफ जीत आधुनिक समय में विदेशी आक्रमण के खिलाफ चीन की पहली पूर्ण विजय है। शी ने कहा कि यह जीत सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के नेतृत्व में जापानी आक्रमण के खिलाफ एक राष्ट्रीय संयुक्त मोर्चे के तहत हासिल की गई थी। उन्होंने कहा कि चीनी लोगों ने युद्ध में अपार बलिदान देकर मानव सभ्यता के उद्धार और विश्व शांति की रक्षा में एक बड़ा योगदान दिया था। पुतिन और किम के साथ खड़े होकर उन्होंने कहा, जब दुनिया भर के देश एक-दूसरे के साथ बराबरी का व्यवहार करेंगे, सद्भाव से रहेंगे और एक-दूसरे का समर्थन करेंगे, तभी साझा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है, युद्ध के मूल कारण को खत्म किया जा सकता है और ऐतिहासिक त्रासदियों को दोबारा होने से रोका जा सकता है। शी ने कहा, आज मानवता को फिर से शांति या युद्ध, संवाद या टकराव, तथा लाभ या नुकसान के बीच चुनाव करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, चीनी लोग इतिहास के सही पक्ष और मानव प्रगति के पक्ष में दृढ़ता से खड़े रहेंगे, शांतिपूर्ण विकास के मार्ग पर कायम रहेंगे और मानवता के साझा भविष्य वाले समुदाय के निर्माण के लिए शेष विश्व के साथ हाथ मिलाएंगे। परेड में चीन ने पहली बार नई हथियार प्रणालियों की एक श्रृंखला प्रदर्शित की, जिसमें नए प्रकार की डीएफ-5सी तरल-ईंधन वाली अंतरमहाद्वीपीय सामरिक परमाणु मिसाइलें शामिल थीं। सरकारी ग्लोबल टाइम्स अखबार ने बताया कि इस मिसाइल की अनुमानित सीमा 20,000 किलोमीटर से अधिक है तथा इसमें सटीक निशाना लगाने की क्षमता है। उसने एक विशेषज्ञ के हवाले से बताया कि यह मिसाइल दुनिया के किसी भी हिस्से तक पहुंच सकती है। परेड में जिन अन्य हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन किया गया, उनमें वाहन-आधारित लेजर रक्षा हथियार, चार प्रकार के विमानवाहक-आधारित जेट लड़ाकू विमान, समुद्र में गहराई तक मार करने वाले ड्रोन, एच-6जे लंबी दूरी के बमवर्षक, हवाई पूर्व चेतावनी विमान, सेना और नौसेना के ड्रोन, 5000 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली डीएफ-26डी जहाज-रोधी बैलिस्टिक मिसाइलें, सीजे-1000 लंबी दूरी की हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलें, वायु रक्षा प्रणालियां, एचक्यू-29 बैलिस्टिक मिसाइल इंटरसेप्टर, कैरियर किलर मिसाइलें, नया युद्धक टैंक टाइप 99बी और कई रॉकेट लॉन्चर शामिल हैं।

पुतिन ने बीजिंग में किम जोंग उन से मुलाकात की

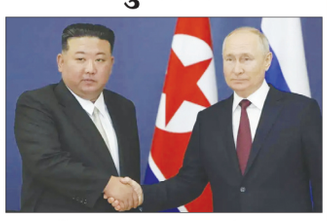

बीजिंग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने बीजिंग में द्विपक्षीय वार्ता शुरू की। दोनों नेताओं ने द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर चीन की राजधानी बीजिंग में आयोजित एक भव्य सैन्य परेड में भाग लेने के बाद दियाओयुताई सरकारी अतिथि गृह में औपचारिक रूप से मुलाकात की। क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि पुतिन और किम औपचारिक स्वागत समारोह से लेकर वार्ता स्थल तक एक ही कार में सवार होकर गए। पत्रकारों से बातचीत में पुतिन ने उत्तर कोरियाई सैनिकों की बहादुरी और वीरता की प्रशंसा की, जिन्होंने रूस के कुर्स्क सीमा क्षेत्र में यूक्रेनी घुसपैठ को विफल करने के लिए मॉस्को के सैनिकों के साथ मिलकर लड़ाई लड़ी थी। दक्षिण कोरियाई आकलन के अनुसार, उत्तर कोरिया ने पिछले वर्ष से अब तक रूस में लगभग 15,000 सैनिक भेजे हैं। उसने पुतिन के यूक्रेन में तीन साल से जारी युद्ध में मदद देने के लिए बैलिस्टिक मिसाइलों और तोपों सहित बड़ी संख्या में सैन्य उपकरण भी भेजे हैं। अपने प्रारंभिक भाषण में किम ने कहा कि पिछले वर्ष जून में उत्तर कोरियाई राजधानी में एक बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद से प्योंगयांग और मॉस्को के बीच सहयोग काफी मजबूत हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र ने आपातकालीन कोष से 50 लाख डॉलर जारी किए

अफगानिस्तान में बचाव कार्य जारी, मृतक संख्या चौदह सौ हुई

» जलालाबाद, भाषा।

संयुक्त राष्ट्र ने पूर्वी अफगानिस्तान में आए भीषण भूकंप में हताहतों की संख्या में और वृद्धि की चेतावनी दी है। वहीं, देश के तालिबान प्रशासन ने कहा है कि मंगलवार को भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,400 से अधिक हो गई और 3,000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने जो आंकड़े दिए हैं, वे सिर्फ कुनार प्रांत के हैं। रविवार रात आए 6.0 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने कई प्रांतों को हिलाकर रख दिया, जिससे भारी तबाही हुई। भूकंप से कई गांव तबाह हो गए और लोग मिट्टी, कच्ची ईंटों और लकड़ी से बने कच्चे मकानों के मलबे में दब गए, जो इस झटके को झेल नहीं पाए। ऊबड़-खाबड़ पथरीला इलाका बचाव और राहत कार्यों में बाधा डाल रहा है। तालिबान अधिकारियों ने घायलों को उन जगहों से निकालने के लिए कई कमांडो को हवाई मार्ग से क्षेत्र में नीचे उतारा है, क्योंकि वहां हेलीकॉप्टर नहीं उतर सकते। सहायता एजेंसी सेव द चिल्ड्रन ने कहा कि समुदाय के सदस्यों की मदद से उसकी एक टीम चिकित्सा उपकरण पीठ पर लादकर 19 किलोमीटर से अधिक की पैदल यात्रा कर प्रभावित इलाकों में पहुंची। भूकंप के कारण चट्टान गिरने से इन इलाकों का संपर्क कट गया है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, रविवार को आए भूकंप के केंद्र के पास मंगलवार को फिर से 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि भूकंप के बाद आए इस झटके में किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। अफगानिस्तान के लिए संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर इंद्रिका रत्वाटे ने कहा कि बचावकर्मी पहाड़ी और दुर्गम इलाके तक पहुंचने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। मंगलवार को जिनेवा में संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने हताहतों की संख्या में वृद्धि की आशंका जताई। रत्वाटे ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आगे आने का आग्रह करते हुए कहा, हम अफगानिस्तान के लोगों को भूल नहीं सकते जो कई संकटों, कई झटकों का सामना कर रहे हैं और अब उनके सहन करने की शक्ति क्षीण हो गई है। उन्होंने कहा, ये जीवन और मृत्यु के फैसले हैं, जबकि हम लोगों तक पहुंचने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को बताया कि संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कार्यालय ने संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया को गति देने के लिए अपने आपातकालीन कोष से 50 लाख डॉलर जारी किए हैं और अफगानिस्तान मानवीय कोष से भी 50 लाख डॉलर जारी किए जाएंगे। इससे पहले, अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने बताया, घायलों को निकाला जा रहा है, इसलिए ये आंकड़े बदल सकते हैं।

रूस ने यूक्रेन पर 500 से अधिक ड्रोन और मिसाइलें दागीं

» कीव, भाषा।

रूस ने रात भर में यूक्रेन पर 500 से अधिक ड्रोन और दो दर्जन मिसाइलें दागीं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। दूसरी तरफ यूक्रेन के राष्ट्रपति और यूरोपीय नेता यूक्रेनी सुरक्षा को मजबूत करने और अब तक अमेरिकी नेतृत्व वाले असफल शांति प्रयासों को गति देने के उद्देश्य से बातचीत जारी रखे हुए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस के हमले के मुख्य लक्ष्य नागरिक बुनियादी ढांचे, विशेष रूप से ऊर्जा सुविधाएं थीं। उन्होंने कहा कि रूस ऊर्जा सुविधाओं को सर्दी से पहले निशाना बनाकर अपने पड़ोसी को परेशान करने की आक्रामक नीति पर काम कर रहा है। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि हमलों में मुख्य रूप से पश्चिमी और मध्य यूक्रेन को निशाना बनाया गया और कम से कम पांच लोग घायल हो गए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लड़ाई रोकने के प्रयासों के बावजूद, हाल के महीनों में नागरिक क्षेत्रों पर रूसी हवाई हमले तथा 1,000 किलोमीटर की अग्रिम पंक्ति में यूक्रेनी सुरक्षा को ध्वस्त करने के रूसी सेना के प्रयासों में कमी नहीं आई है।

जेलेंस्की ने हालांकि ट्रंप के युद्ध विराम और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ आमने-सामने शांति वार्ता के प्रस्तावों को स्वीकार कर लिया है, लेकिन क्रेमलिन ने इस पर आपत्ति जताई है। हाल ही में कूटनीतिक गतिविधियों के बीच, पुतिन चीन में चीनी नेता शी चिनफिंग और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के साथ-साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मिले। वाशिंगटन का कहना है कि ए देश रूस के युद्ध प्रयासों का समर्थन कर रहे हैं। उसके अनुसार, उत्तर कोरिया ने रूस को सैनिक और गोला-बारूद भेजा है वहीं चीन और भारत ने रूसी तेल खरीदा है, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से रूस की युद्ध अर्थव्यवस्था को मदद मिली है। रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने का आग्रह करते हुए जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा, पुतिन अपनी अभेद्यता का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, केवल पर्याप्त दबाव की कमी, विशेषकर युद्ध अर्थव्यवस्था पर, ही रूस को इस आक्रामकता को जारी रखने के लिए प्रेरित करती है।

इजराइली ड्रोनों ने लेबनान में संरा शांति सैनिकों के पास ग्रेनेड गिराए, यूनिफिल ने गंभीर हमला बताया

बेरूत, (भाषा)। इजराइली ड्रोनों ने दक्षिणी लेबनान में इजराइल सीमा के पास संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के करीब चार ग्रेनेड गिराए, जब वे सड़क अवरोधों को हटाने का काम कर रहे थे। हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। यूनिफिल नामक शांति सेना ने मंगलवार सुबह की घटना को नवंबर में संघर्ष विराम के बाद से अपने कर्मियों और संपत्तियों पर सबसे गंभीर हमलों में से एक बताया। संघर्ष विराम के बाद 14 महीने तक चला इजराइल-हिज्बुल्लाह युद्ध रुक गया था। इजराइली सेना ने तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। यूनिफिल ने कहा कि इजराइली ड्रोन ने शांति सैनिकों के पास चार ग्रेनेड गिराए, जो सीमा रेखा पर संयुक्त राष्ट्र के एक ठिकाने तक पहुंचने में बाधा डालने वाले सड़क अवरोधों को हटाने का काम कर रहे थे। उसने कहा कि एक ग्रेनेड संयुक्त राष्ट्र कर्मियों और वाहनों के 20 मीटर के दायरे में और तीन अन्य लगभग 100 मीटर के दायरे में गिरे। उन्होंने आगे कहा कि ड्रोन इजराइल की ओर लौटते देखे गए। यूनिफिल ने कहा कि इजराइली सेना को सीमा रेखा से एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर मारवाहिन गांव के दक्षिण-पूर्व में शांति सेना द्वारा सड़क साफ करने के काम के बारे में पहले ही सूचित कर दिया गया था। उसने कहा, घटना के बाद शांति सैनिकों की सुरक्षा की चिंता में, कल का काम स्थगित कर दिया गया। यह हमला पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा लगभग पांच दशक के बाद अगले साल के अंत में दक्षिणी लेबनान से संयुक्त राष्ट्र शांति सेना को हटाने के लिए सर्वसम्मति से मतदान करने के बाद हुआ।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बीएनपी की रैली के बाद आत्मघाती विस्फोट में 14 लोगों की मौत

» कराची, भाषा।

पाकिस्तान के क्वेटा शहर में बलूचिस्तान नेशनल पार्टी (बीएनपी) द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक रैली के समाप्त होने के तुरंत बाद हुए आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 14 लोग मारे गए और 35 अन्य घायल हो गए। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने बताया कि यह विस्फोट मंगलवार रात को सरदार अताउल्लाह मेंगल की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित रैली के समापन के बाद सरियाब क्षेत्र में शाहवानी स्टेडियम के पास हुआ। समाचार पत्र के अनुसार प्रांतीय स्वास्थ्य मंत्री बख्त मुहम्मद काकर ने हताहतों की संख्या की पुष्टि की है। द डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यह एक आत्मघाती हमला था। पुलिस के अनुसार, विस्फोट रैली समाप्त होने के लगभग 15 मिनट बाद हुआ।

हमलावर ने पार्किंग क्षेत्र में विस्फोटकों से लदी अपनी जैकेट में कथित तौर पर उस समय विस्फोट कर दिया, जब लोग रैली में भाग लेने के बाद वहां से निकल रहे थे। डॉन के अनुसार, रैली का नेतृत्व कर रहे बीएनपी प्रमुख अख्तर मेंगल को कोई चोट नहीं आई, क्योंकि विस्फोट उस समय हुआ जब वह घर के लिए निकल रहे थे। इसमें कहा गया है कि पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के प्रमुख महमूद खान अचकजई, अवामी नेशनल पार्टी के असगर खान अचकजई और नेशनल पार्टी के पूर्व सीनेटर मीर कबीर मुहम्मद शाई भी रैली में मौजूद थे, लेकिन उन्हें कोई चोट नहीं आई। हालांकि, प्रांतीय असेंबली (एमपीए) के पूर्व बीएनपी सदस्य मीर अहमद नवाज बलूच और पार्टी के केंद्रीय श्रम सचिव मूसा जान सहित कई पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक घायल हो गए।

हम भारत के साथ बहुत अच्छी तरह तालमेल रखते हैं : ट्रंप

» न्यूयार्क/वाशिंगटन , भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनका देश भारत के साथ बहुत अच्छी तरह तालमेल रखता है, लेकिन कई वर्षों से उनका संबंध एकतरफा था क्योंकि नई दिल्ली की ओर से वाशिंगटन पर भारी शुल्क लगाया जा रहा था। ट्रंप से मंगलवार को जब पूछा गया कि क्या वह भारत पर लगाए गए कुछ शुल्क हटाने पर विचार कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा, नहीं, हम भारत के साथ बहुत अच्छी तरह तालमेल रखते हैं। ट्रंप की यह टिप्पणी नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों में तनाव के बीच आई है, जब अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है जो दुनिया में सबसे ज्यादा शुल्कों में से एक है। उन्होंने व्हाइट हाउस में कहा कि कई वर्षों तक भारत और अमेरिका के बीच संबंध एकतरफा थे और उनके पदभार ग्रहण करने के बाद इसमें बदलाव आया। ट्रंप ने कहा, भारत हमसे बहुत ज्यादा शुल्क वसूल रहा था, जो दुनिया में सबसे ज्यादा था। उन्होंने कहा कि इसलिए अमेरिका भारत के साथ ज्यादा व्यापार नहीं कर रहा था।

उन्होंने कहा, लेकिन वे हमारे साथ व्यापार कर रहे थे क्योंकि हम उनसे शुल्क नहीं वसूल रहे थे। मूर्खतापूर्ण तरीके से, हम उनसे शुल्क नहीं वसूल रहे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत अपने उत्पादों को अमेरिका में भेज रहा था। ट्रंप ने कहा, वे इसे हमारे देश में भेजेंगे। इसलिए इसे यहां नहीं बनाया जाएगा, जो एक नकारात्मक बात है, लेकिन हम कुछ भी नहीं भेजेंगे क्योंकि वे हमसे 100 प्रतिशत टैरिफ वसूल रहे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल का उदाहरण देते हुए कहा कि कंपनी भारत में अपनी मोटरसाइकिल नहीं बेच सकी क्योंकि उस पर 200 प्रतिशत शुल्क था। उन्होंने कहा, तो क्या हुआ? हार्ले डेविडसन भारत गई और एक मोटरसाइकिल संयंत्र लगाया, और अब उन्हें शुल्क नहीं देना पड़ता, यह हमारे जैसा ही है। सोमवार को, ट्रंप ने दावा किया कि भारत ने अब अपने टैरिफ को पूरी तरह से कम करने का प्रस्ताव दिया है, लेकिन अब देर हो रही है। उन्होंने कहा कि भारत अपना अधिकांश तेल और सैन्य उत्पाद रूस से खरीदता है और अमेरिका से बहुत कम खरीदता है। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क और रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है, जिससे भारत पर लगाया गया कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है, जो 27 अगस्त से प्रभावी हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया है कि वह किसानों, पशुपालकों और लघु उद्योगों के हितों से समझौता नहीं कर सकते। उन्होंने आगाह किया कि हम पर दबाव बढ़ सकता है, लेकिन हम इसे सहन करेंगे। भारत ने अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों को अनुचित और अतर्कसंगत बताया है। नई दिल्ली ने कहा कि किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह, वह अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा। वर्ष 2024-25 में, दोनों देशों के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 131.8 अरब डॉलर (86.5 अरब डॉलर निर्यात और 45.3 अरब डॉलर आयात) था।

ट्रंप 18वीं सदी के कानून का इस्तेमाल कर वेनेजुएला गिरोह के सदस्यों को निर्वासित नहीं कर सकते : अदालत

वाशिंगटन । अमेरिका की एक संघीय अपीलीय अदालत ने मंगलवार को फैसला सुनाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 18वीं सदी के युद्धकालीन कानून का इस्तेमाल करके उन लोगों को निर्वासित नहीं सकते, जिन पर उनकी सरकार वेनेजुएला के एक गिरोह का सदस्य होने का आरोप लगाती है। इस फैसले से ट्रंप प्रशासन की एक प्रमुख पहल पर रोक लग गई है और अब इस लड़ाई के उच्चतम न्यायालय में पहुंचने की उम्मीद है। अमेरिका की सबसे रूढ़िवादी संघीय अदालतों में गिनी जाने वाली 5वीं सर्किट अपीलीय अदालत में तीन न्यायाधीशों की पीठ ने 2-1 के बहुमत से दिए फैसले में प्रवासी अधिकार कार्यकर्ताओं और निचली अदालतों की दलीलों से सहमति जताई। दलीलों में कहा गया था कि 1798 का एलियन एनिमीज् एक्ट ट्रेन डी अरागुआ जैसे गिरोहों के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए नहीं बनाया गया था। ट्रंप प्रशासन ने इस साल मार्च में इस कानून का हवाला देते हुए वेनेजुएला के इस गिरोह के कथित सदस्यों को अल सल्वाडोर की एक कुख्यात जेल में निर्वासित करते हुए यह तर्क दिया था कि अमेरिकी अदालतें वहां से उनकी रिहाई का आदेश नहीं दे सकतीं। जुलाई में घोषित एक समझौते के तहत, निर्वासित किए गए 250 से अधिक प्रवासी वेनेजुएला लौट गए। इस कानून का अमेरिकी इतिहास में अब तक केवल तीन बार इस्तेमाल हुआ है और वह भी 1812 के युद्ध और दोनों विश्व युद्धों के दौरान। ट्रंप प्रशासन ने दलील दी थी कि अदालतें राष्ट्रपति के इस निर्धारण पर सवाल नहीं उठा सकतीं कि ट्रेन डी अरागुआ गिरोह वेनेजुएला सरकार से जुड़ा हुआ है और अमेरिका के लिए खतरा है, इसलिए इस अधिनियम का इस्तेमाल उचित है।

इजराइल के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े स्थल पर निर्माण कार्य तेज

» दुबई, भाषा।

इजराइल के संदिग्ध परमाणु हथियार कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण सुविधा केंद्र पर एक प्रमुख नई संरचना का निर्माण कार्य तेज हो गया है। उपग्रह चित्रों के विश्लेषण के आधार पर विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक नया परमाणु ऊर्जा संयंत्र अथवा परमाणु हथियार बनाने की सुविधा हो सकती है - लेकिन इस कार्यक्रम में गोपनीयता के कारण निश्चित रूप से कुछ भी जानना मुश्किल है। डिमोना शहर के निकट शिमोन पेरेज नेगेव परमाणु अनुसंधान केंद्र में किए गए कार्य से पश्चिम एशिया के एकमात्र परमाणु-हथियार संपन्न देश के रूप में व्यापक रूप से इजराइल की मान्यता प्राप्त स्थिति पर सवाल खड़े होंगे।

इसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना भी हो सकती है, खासकर इसलिए क्योंकि जून में इजराइल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु स्थलों को निशाना बनाकर बमबारी की थी। दोनों देशों को डर था कि ईरान अपने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने के लिए कर सकता है। जिन स्थलों पर हमला किया गया उनमें अराक स्थित ईरान का एक हेवी वॉटर रिएक्टर भी शामिल था।

हेलीकॉप्टर की तलाश में दो हेलीकॉप्टरों की मदद से हवाई खोज अभियान चलाया जा रहा

इंडोनेशिया में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले सफेद धुआं निकलता देखा गया : खबर

» जकार्ता, भाषा।

इंडोनेशिया में लापता हुए हेलीकॉप्टर को पहाड़ी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले सफेद धुआं छोड़ते और कम ऊंचाई पर उड़ते देखा गया था। बुधवार को एक खबर में यह दावा किया गया। हेलीकॉप्टर में एक भारतीय नागरिक समेत आठ लोग सवार थे। इंडोनेशियाई समाचार एजेंसी अंतरा की रिपोर्ट के अनुसार, खोज एवं बचाव (एसएआर) दल ने कहा कि एस्टिंडो एयर बीके 117 डी3 हेलीकॉप्टर को दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले सफेद धुआं छोड़ते और कम ऊंचाई पर उड़ते देखा गया था।

पायलट समेत आठ लोगों को ले जा रहे हेलीकॉप्टर का सोमवार को स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 8.54 बजे दक्षिण कालीमंतन के तनाह बुम्बू जिले के मेंटेवे में मंदिन दमार झरने के पास उड़ान भरते समय संपर्क टूट गया। यात्रियों में भारतीय नागरिक संथा कुमार भी शामिल थे। विमान में सवार अन्य लोगों की पहचान कैप्टन हर्यतो (पायलट), तकनीशियन इंग हेंद्रा और यात्रियों मार्क वेरेन, युडी फेब्रियन, एंड्रीज रिसा पासुलु, क्लॉडाइन क्रिटो और इबॉय इरफान रोजा के रूप में हुई है। बंजरमासिन खोज एवं बचाव एजेंसी के प्रमुख आई पुतु सुदयाना ने मंगलवार को कहा, एक शिक्षक और कई छात्रों ने हेलीकॉप्टर को धुआं छोड़ते हुए नीचे उड़ते देखा। उड़ान रडार डेटा के अनुसार, यह अंतिम संपर्क बिंदु से आगे था। उन्होंने कहा कि संयुक्त खोज एवं बचाव दल (एसएआर) हवाई और जमीनी, दोनों तरह के अभियान संचालित करके नए स्थान का पता लगाएगा। सुदयाना ने कहा, टीम जंगल के रास्ते पहाड़ के दूसरी ओर पहुंचने का रास्ता खोजने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि वे जल्द ही कोई रास्ता ढूंढ़ लेंगे, और हम सभी ईश्वर से प्रार्थना भी करते हैं कि हेलीकॉप्टर का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके। दक्षिण कालीमंतन के गवर्नर मुहिदीन ने कहा कि शुरुआत में संदिग्ध दुर्घटनास्थल का हवाई सर्वेक्षण करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन भारी बारिश के कारण इसे रद्द कर दिया गया। मुहिदीन ने कहा, यह इलाका घने बादलों से ढका हुआ है, जिससे हेलीकॉप्टरों का नीचे उतरना मुश्किल हो रहा है। यह एक विशाल जंगल भी है, जिससे पहुंचना बहुत चुनौतीपूर्ण हो जाता है। हेलीकॉप्टर स्थानीय समयानुसार सुबह 8.46 बजे कोटाबारू जिले के स्यामसिर आलम हवाई अड्डे से रवाना हुआ और उसे सुबह 10.15 बजे मध्य कालीमंतन के पलंगका राया में उतरना था। इसका अंतिम संपर्क सुबह 8.54 बजे हुआ था, उसके बाद संपर्क टूट गया। विमान के आधिकारिक तौर पर दोपहर 12.02 बजे लापता होने की सूचना दी गई। इससे पहले, सुदयाना ने कहा था कि लापता हेलीकॉप्टर की तलाश में दो हेलीकॉप्टरों की मदद से हवाई खोज अभियान चलाया जा रहा है। हवाई खोज के अलावा, विभिन्न एजेंसियों और स्थानीय कार्यकर्ताओं के 140 कर्मियों की एक जमीनी टीम तैनात की गई।

संयुक्त राष्ट्र ने यमन में हूतियों द्वारा हिरासत में लिए गए कर्मचारियों की संख्या 19 बताई

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

संयुक्त राष्ट्र ने मंगलवार को कहा कि यमन की राजधानी में उसके कार्यालयों पर धावा बोलने के दौरान ईरान समर्थित हूतियों द्वारा कम से कम 19 कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया, जो शुरुआत में बताई गई संख्या से अधिक है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि हिरासत में लिए गए उसके कर्मचारियों में से 18 यमन के नागरिक हैं और एक अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी है। उन्होंने सभी को तुरंत रिहा करने की अपील की। गौरतलब है कि बृहस्पतिवार को इजराइल द्वारा हवाई हमलों में हूती प्रधानमंत्री अहमद अल-रहावी और कई कैबिनेट मंत्रियों की हत्या के बाद रविवार को सना में संयुक्त राष्ट्र की खाद्य, स्वास्थ्य और बाल एजेंसियों के कार्यालयों में धावा बोला गया।

हूती 2014 से यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के साथ गृहयुद्ध लड़ रहे हैं, जिसे सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन का समर्थन प्राप्त है। हूतियों ने 2014 में सना और उत्तरी यमन के अधिकांश हिस्से पर नियंत्रण कर लिया था। दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हंस ग्रंडबर्ग ने हाल ही में ओमान की राजधानी मस्कट की यात्रा समाप्त की, जहां उन्होंने हूतियों के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद अब्देलसलाम और राजनयिक समुदाय के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र दूत ने हिरासत में लिए गए लोगों और उनके कार्यालयों में जबरन प्रवेश की निंदा की और चेतावनी दी कि हूती की कार्रवाई अरब विश्व के सबसे गरीब देश यमन के लोगों को सहायता प्रदान करने की संयुक्त राष्ट्र की क्षमता को गंभीर रूप से खतरे में डालती है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,